राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-26 | अंक-04 | अक्टूबर, 2025 | कुल पृष्ठ-32 | मूल्य-₹ 15

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, सूरजगढ़, जिला झुंझुनूं के सचिव श्री महेश कुमार सैनी को शिक्षक दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित करते हुए।

जोधपुर में आयोजित जिला स्तरीय खेल दिवस के अवसर पर माननीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह के साथ स्काउट्स एवं रोवर्स

माननीय शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के भीलवाड़ा आगमन पर
कुडोस किड्स स्कूल भीलवाड़ा के स्काउट्स गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए

नेशनल यूथ कॉम्पलेक्स, गदपुरी (हरियाणा) में राजस्थान के स्काउट व गाइड को
राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 04
अक्टूबर, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• नोजमाबाद का वार्षिक अधिवेशन	5
• राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव	6
• टॉप लीडर्स समिट	9
• सूझबूझ से टला बड़ा हादसा	9
• नेशनल इंटीग्रेशन कैम्प त्रिपुरा	10
• नेशनल लेवल एडल्ट ट्रेकिंग प्रोग्राम	11
• जयपुर जिला वार्षिक अधिवेशन	12
• गतिविधि दर्पण	13
• अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि : मेरी स्काउटिंग यात्रा पुर्तगाल वर्ल्ड स्काउट मूट 2025	21
• भारत की पर्यावरणीय नीति और संदर्भित कानून	22
• पर्यटन स्थल : बागोर की हवेली	23
• हमारा स्वास्थ्य : कारघर घरेलु नुस्खे	24
• हमारे महापुरूष : भारत रत्न : सरदार वल्लभ भाई पटेल	25
• दक्षता पदक	27
• गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

समन्वय और सामंजस्य

स्काउट आन्दोलन ऐसी सुन्दर सीप के समान है, जिसमें जो भी बून्द स्वरूप बालक–बालिका प्रवेश करता है वह मोती के समान मूल्यवान बन जाता है और सेवाभावी सुनागरिक के रूप में अपने व्यक्तित्व का विकास करता हुआ मानवता की सेवा करता है।

इस आन्दोलन में समाज सेवा के विभिन्न अवसर प्रदान किये जाते हैं ताकि इनमें निःस्वार्थ भाव से सेवा के गुण विकसित हो सकें। सभी स्काउट गाइड से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन अपने घर, विद्यालय, आस–पड़ौस में कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करेंगे। प्राणी मात्र के लिए हृदय में करूणा एवं सहयोग का भाव रखते हुए यथासम्भव सेवा कार्य तथा मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत नशा–मुक्ति, सड़क सुरक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वृद्धजन व दिव्यांगों की सहायता, जल संरक्षण, साक्षरता, पल्स पोलियो टीकाकरण, प्याऊ लगाकर जल पिलाना आदि के माध्यम से समाज सेवा कार्य किया जाता है।

यह आंदोलन समन्वय और सामंजस्य का भी अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है। पर्यावरण चेतना व संरक्षण की बात करें तो भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के साथ प्रदेश में नेशनल ग्रीन कोर परियोजना के संचालन का दायित्व लिया हुआ है। मानसून के मौसम में पौधारोपण का प्रदेश भर में आयोजन किया गया। सम्पूर्ण आयोजन इतना सुनियोजित एवं व्यवस्थित था कि हर स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने यथा स्थान पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपना फर्ज निभाया।

भारत स्काउट व गाइड के प्रदेश संगठन की स्थापना से ही संगठन ने अपनी विलक्षण विशेषता के बल पर कई नये आयाम स्थापित किये हैं और वह निरंतर गतिशील है। आपसी सहयोग एवं आमंजस्य से ही नये कीर्तिमान स्थापित करने में राज्य संगठन को उच्च कोटी की सफलता मिली। सभी कार्यकर्ताओं को एकजुटता एवं समर्पण भाव का परिचय देते हुए संगठन की इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाना है।

दीपोत्सव 'दीपावली' महापर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं...

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

भारतीय जनजाति संस्कृति के व्यापक प्रचार–प्रसार व आदान–प्रदान के उद्देश्य से वर्ष 2018 में प्रारम्भ जनजाति शिविर की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष का राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव का 5 दिवसीय आयोजन मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, उदयनिवास, उदयपुर पर किया गया, जिसमें जनजाति बाहुल्य जिलों के स्काउट गाइड सम्मिलित हुए। इस शिविर का ध्येय बन्धुत्व का विकास, प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने के भाव, कौशल एवं प्रतिभाओं का प्रदर्शन, नेतृत्व की क्षमता में विकास, विशाल दृष्टिकोण एवं विभिन्न नवीन कलाओं एवं सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था, जिसमें यह सफलता के साथ पूर्ण हुआ। हमारे स्टेट चीफ कमिश्नर श्रीमान निरंजन जी आर्य के मार्गदर्शन में इस महोत्सव के संचालक, सहयोगी तथा प्रतिभागी जनजाति स्काउट्स गाइड्स ने अपने पूरे उत्साह व जोश के साथ इसका सफल व सुखद आयोजन किया, जिसके लिए सभी को बधाई।

सितम्बर का महिना शिक्षकों के सम्मान और उनके समाज को दिए जा रहे अमूल्य योगदान को स्मरण करने का विशिष्ट महिना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के कर–कमलों से अनेक शिक्षकों ने राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षक सम्मान प्राप्त किया। स्थानीय संघ, सूरजगढ़, जिला झुंझुनूं के सचिव एवं अध्यापक श्री महेश कुमार सैनी का राज्य स्तर पर शिक्षक सम्मान से सम्मानित होना भारत स्काउट व गाइड संगठन के लिए विशेष उल्लेखनीय है। मेरा मानना है कि यह केवल एक स्काउटर का सम्मान ही नहीं है, बल्कि स्काउटिंग और उसके द्वारा बालक–बालिकाओं में विकसित किए जा रहे गुणों का भी सम्मान है; और स्काउटिंग के माध्यम से चल रही शिक्षा प्रणाली को चलाने वाले शिक्षक का सम्मान है।

सभी को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

मोजमाबाद का वार्षिक अधिवेशन

राज्य मुख्य आयुक्त श्री आर्य के मुख्य आतिथ्य में हुआ सम्पन्न

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, मोजमाबाद (जयपुर) का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय झरना के सेमिनार हाल में 6 सितम्बर को सम्पन्न हुआ।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य थे। अध्यक्षता स्थानीय संघ के प्रधान मुकेश बड़ीवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) दागोदर शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा, सर्कल ऑर्गेनाइजर शरद शर्मा, मानव सेवा संस्थान संस्थापक कौशल सत्यार्थी थे। अध्यक्ष रतन तेरवाल, उप प्रधान कैलाश देवतवाल सहित कार्यक्रम में बीस संस्था प्रधान भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव चोगेश कुमार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्काउट गतिविधि से नए जुड़ने वाले शिक्षक संभागियों के साथ संयुक्त सचिव बैअंत कौर का सम्मान किया गया।

कोषाध्यक्ष बंशी लाल बलाई, संयुक्त सचिव बेअंत कौर, सहायक सचिव प्रमोद कुमार कासोटिया, क्वाटर मास्टर गणेश बलाई, बैज कमेटी मंत्री कैलाश चौधरी, सहायक क्वाटर मास्टर मोनू शंकर शर्मा ने आए हुए मेहमानों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। सचिव चोगेश कुमार गोठवाल ने सबका आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के बाद अधिवेशन का समापन हुआ।

ईमानदारी की मिसाल

बड़ीसादड़ी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रति चंद जी का खेड़ा के स्काउट दल ने ईमानदारी और सेवा भावना का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सोमवार सुबह स्काउट प्रभारी मोहनलाल सुथार के नेतृत्व में दल जनजाति महोत्सव हेतु उदयपुर रवाना हुआ। यात्रा के दौरान ट्रेन की सीट पर एक महंगा मोबाइल मिला, जिसे कोई यात्री भूल गया था।

कुछ देर बाद मोबाइल पर आए कॉल पर सुथार ने ईमानदारी से जानकारी दी। सत्यापन के बाद दल ने मोबाइल को उदय निवास, उदयपुर पहुँचकर उसके मालिक को सुरक्षित सौंप दिया। लगभग 25 हजार कीमत का मोबाइल पाकर मालिक भावुक हो उठे और स्काउट दल का आभार व्यक्त किया।

स्थानीय लोगों ने भी स्काउट्स और शिक्षकों की प्रशंसा की। इस घटना ने विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया और यह संदेश दिया कि ईमानदारी ही सच्चे नागरिक की पहचान है।

राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव

बन्ना लाल
एस.टी.सी. (स्काउट)

निरीक्षण के दौरान स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य संभागियों से संवाद करते हुए

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में जनजाति क्षेत्र के स्काउट–गाइड के उत्थान एवं उनके सर्वांगीण विकास हेतु राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव का आयोजन 15 से 19 सितंबर 2025 तक मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, उदयनिवास, उदयपुर में किया गया।

शिविर का संचालन राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल द्वारा किया गया। इस शिविर में जनजाति क्षेत्र के 9 जिलों से 387 स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तथा स्काउटर–गाइडर शामिल हुए। साथ ही 43 स्टाफ एवं अन्य सदस्यों ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

महोत्सव के दौरान व्यक्तिगत, पेट्रोल स्तर एवं विद्यालय स्तर की पोस्टर एवं निबन्ध प्रतियोगिता, साहसिक गतिविधियाँ, स्किल ओ–रामा, जनजातीय फूड प्लाजा, एथनिक फैशन शो, लोकगीत–लोकनृत्य, कैम्प क्राफ्ट, प्रदर्शनी, नारा लेखन, वाद्ययंत्र वादन, रंगोली, मार्शल आर्ट एवं झांकी प्रतियोगिताएँ प्रमुख रहीं।

दिनांक : 15 सितम्बर 2025 (प्रथम दिवस)

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, उदयनिवास, उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव के प्रथम दिवस विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ।

स्टेट चीफ कमिश्नर का निरीक्षण

महोत्सव के प्रथम दिवस राजस्थान के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिभागियों से संवाद कर व्यवस्थाओं एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने एडवेंचर बेस, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, टेंट पायनियरिंग सहित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

श्री आर्य ने जनजाति क्षेत्र के 9 जिलों से आए प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इन पाँच दिवसीय आयोजनों में भाग लेना उनके जीवन का स्वर्णिम अनुभव होगा, जिसे वे आगे की शिक्षा और कार्यक्षेत्र में हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न क्षेत्रों की भाषा, वेशभूषा और संस्कृति को जानने–समझने की प्रेरणा दी।

उद्घाटन समारोह

सायं 4 बजे हुए उद्घाटन समारोह में संभागीय आयुक्त, उदयपुर संभाग सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी मुख्य अतिथि रहीं।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। इसके उपरांत महोत्सव के प्रतिभागियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

मुख्य अतिथि सुश्री केवलरमानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "स्काउटिंग

उदयपुर संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी जनजाति गाइड्स के साथ

जनजाति संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए संभागी

जीवन जीने की कला का प्रतिबिम्ब है।" उन्होंने इस महोत्सव को विविधता में एकता का अद्भुत संगम बताते हुए कहा कि यह आयोजन स्काउट–गाइड्स की प्रतिभाओं को निखारने और चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने प्रतिभागियों को समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बनने की प्रेरणा दी और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

समारोह में सेंट एन्थोनी स्कूल, उदयपुर की बुलबुल एवं गाइड द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर श्री बन्नालाल ने अतिथियों को स्कार्फ व स्मृति चिन्ह प्रदान किए। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) उदयपुर श्री मनमोहन स्वर्णकार ने सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट उदयपुर श्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डे एवं सी.ओ. गाइड जिला भीलवाड़ा डॉ. ओमकुमारी चौहान ने किया। जिला कोषाध्यक्ष उदयपुर सुश्री महक सनाढ्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं।

दिनांक : 16 सितम्बर 2025 (द्वितीय दिवस)

दूसरे दिन का प्रारम्भ प्रातः 5.30 बजे प्रभात फेरी से हुआ। 6.30 बजे प्रार्थना एवं बी.पी. सिक्स द्वारा व्यायाम का आयोजन किया गया। इसके बाद संभागियों ने श्रमदान कर शिविर परिसर की सफाई की। 8.15 बजे शिविर निरीक्षण एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर गाँव लकड़वास की सरपंच एवं स्थानीय समाजसेवी ने ध्वजारोहण कर एडवेंचर गतिविधियों का शुभारम्भ किया।

इस दिन महोत्सव में 17 प्रकार की साहसिक गतिविधियाँ जैसेकृहोरिजेन्टल बार, टायर वॉल, कमांडो क्रॉल, मंकी ब्रिज, एयरगन शूटिंग, तीरंदाजी, ब्लाइंड ट्रेल, हाईक आदि आयोजित की गईं। साथ ही निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता, स्किल–ओ–रामा तथा फूड प्लाजा में विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने अपने–अपने क्षेत्र के विशिष्ट व्यंजनों का आदान–प्रदान किया।

सायंकालीन कैम्प फायर में लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना कोठारी, संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, उदयपुर की उपस्थिति में प्रस्तुतियों ने समा बाँध दिया। रात्रि में एथनिक फैशन शो हुआ, जिसमें जनजातीय क्षेत्र के स्काउट–गाइड्स ने अपनी पारंपरिक वेशभूषाओं में रैम्प वॉक प्रस्तुत किया।

साहसिक गतिविधियों में अपना दमखम दिखाते संभागी

दिनांक : 17 सितम्बर 2025 (तृतीय दिवस)

तृतीय दिवस का आरम्भ भी प्रभात फेरी, प्रार्थना एवं व्यायाम से हुआ। शिविर निरीक्षण व ध्वजारोहण के उपरान्त सभी प्रतिभागियों ने नगर भ्रमण रैली में भाग लिया। यह रैली नगर निगम से गुलाब बाग तक आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश दिया गया। इसके बाद प्रतिभागियों ने नवलखा महल, सहेलियों की बाड़ी, माणिक्य लाल गार्डन, राजीव गांधी गार्डन, मोती मगरी, फतहसागर आदि ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया।

उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा को स्कार्फ पहनाते हुए श्री बन्नालाल

दिनांक : 18 सितम्बर 2025 (चतुर्थ दिवस)

चौथे दिन प्रभात फेरी एवं प्रार्थना के पश्चात स्किल–ओ–रामा और जिलावार झाँकी प्रदर्शनी आयोजित हुई। साथ ही एसडीजी एवं एमओपी विषयक गतिविधियों का संचालन किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती गोनिका मोगा, निदेशक, डायनेमिक योगा स्टूडियो, उदयपुर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों की सृजनशीलता की सराहना की। उन्होंने स्काउट–गाइड्स को योग एवं संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

सायं 4.30 बजे समापन समारोह का आयोजन उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों को सेवा भाव से कार्य करने और समाज में आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया।

रात्रि 8.30 बजे भव्य विशाल कैम्प फायर का आयोजन हुआ, जिसमें सभी जिलों ने अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर वातावरण को जीवंत बना दिया।

दिनांक : 19 सितम्बर 2025 (पंचम दिवस एवं समापन)

अंतिम दिन प्रातः प्रभात फेरी एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इसके बाद शिविर बाइंडअप कर सामग्री व्यवस्थित की गई।

प्रातः 10.00 बजे सभी संभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले समूहों एवं जिलों को ओवरऑल प्रथम व द्वितीय स्थान की शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शिविर आयोजन में योगदान देने वाले स्टाफ व दानदाताओं को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) एवं शिविर संचालक श्री बन्नालाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ध्वजावतरण एवं राष्ट्रगान के साथ यह पाँच दिवसीय महोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा करते हुए संभागी एवं संचालकगण

टॉप लीडर्स समिट

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली पर 2 से 4 सितम्बर 2025 तक आयोजित टॉप लीडर समिट में राजस्थान से राज्य सगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल और सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार ने राजस्थान प्रदेश का नेतृत्व किया। समिट में पूरे भारत देश से 51 लीडर ने भाग लिया।

समिट में नया युथ प्रोग्राम, प्लानिंग प्रोग्राम, ओवाईएमएस, नये बदलाव और स्काउटिंग को आधुनिकता से जोड़ने, विजन 2034 व प्रगति पथ जिसमें स्काउट गाइड गतिविधि में नये बदलाव, नियमो की जानकारी दी गई।

समिट में भारत स्काउट व गाइड की संख्यात्मक वृद्धि का भी विवरण दिया गया, जिसमें राजस्थान प्रदेश की पूरे देश में सर्वाधिक स्काउट गाइड सदस्य है एवं प्रथम स्थान पर है, जिसके लिए चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खंडेलवाल ने बधाई दी। समिट में राजस्थान प्रदेश द्वारा 2034 तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसमें राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड 2034 तक 26 लाख स्काउट विभाग की सदस्यता पूर्ण करेगा। समिट में 2034 तक का प्लान और स्ट्रेजी रिपोर्ट राष्ट्रीय मुख्यालय को प्रस्तुत की गई।

श्री पूरण सिंह शेखावत राज्य संगठन आयुक्त ने समिट में राजस्थान प्रदेश के 2034 तक का प्लान, विजन, राजस्थान की लीडरशिप एवं स्काउटिंग से अवगत कराते हुए मास्टर प्लान के माध्यम से बताया की राजस्थान प्रदेश किस तरीके से अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल ने राजस्थान प्रदेश की स्काउटिंग की महत्वपूर्ण रीढ़ की हड्डी राजस्थान के ट्रेनर्स को बताया। साथ ही साथ संख्यात्मक वृद्धि के साथ ट्रेनिंग प्रोग्राम में भी क्या–क्या रूपरेखा एवं कार्य किए जाएंगे उसके बारे में अवगत कराया। पीपीटी के माध्यम से राजस्थान की स्काउटिंग को दर्शाया गया।

सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

गोविंदपुर में आगजनी की घटना

विद्यालय स्टाफ और स्काउट मास्टर की सतर्कता से टली बड़ी अनहोनी

सीकर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुरा के पास अचानक एक मकान में आग लग गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर विद्यालय स्टाफ और स्काउट मास्टर बजरंग लाल बिजारणियां अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। उनकी तत्परता से बड़ी जन धन हानि और जानमाल की बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

गोविंदपुरा निवासी हजारीलाल के मकान में आग लगने से मोटर साइकिल, घरेलू सामान, अनाज, आटा, फ्रिज, चारपाई, बिस्तर, कपड़े व रसोई के बर्तन जलकर राख हो गए। अनुमानित 2 से 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के समय विद्यालय स्टाफ इंटरवल में मौजूद था और विस्फोट जैसी आवाज सुनते ही सभी ने तत्काल सहयोग किया।

करीब 30 शिक्षकों व स्काउट टीम ने मिलकर आग को फैलने से रोक लिया। मकान मालिक हजारीलाल व उनकी पत्नी निरमा देवी ने विद्यालय स्टाफ और स्काउट टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी तत्परता से इंसानों व पशुओं की जान बच गई।

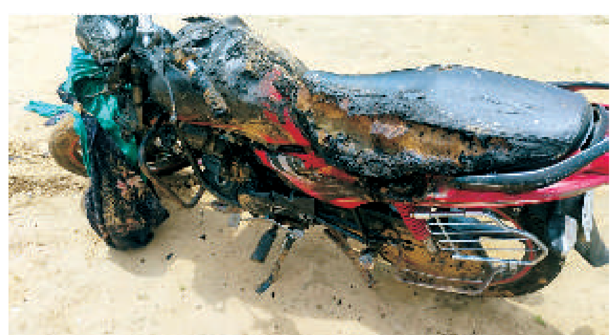

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए विद्यालयों और स्काउट्स को आग बुझाने की और बेहतर ट्रेनिंग दी जानी चाहिए, जिससे भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी से बचाव किया जा सके।

नेशनल इंटीग्रेशन कैम्प त्रिपुरा

भय सिंह मीणा
प्राचार्य एवं सहायक जिला कमिश्नर
स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल,
टोडाभीम, जिला करौली

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 9 से 13 सितंबर 2025 तक शहीद भगत सिंह यूथ हॉस्टल अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित नेशनल इंटीग्रेशन शिविर में प्राचार्य भय सिंह मीणा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य की ओर से स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के चार स्काउट रवि कुमार डांगड़, शिवा सिंह, मुमुख कुमार मीणा व रुद्र प्रताप सिंह सैनी तथा सीकर जिले से सुभाष कुमार (सहायक रोवर लीडर), रोवर आयुष व लक्ष अग्रवाल, करौली जिले से रोवर तेजस्व गगरी व केशव शर्मा, तथा झालावाड़ जिले से रेंजर्स मेघा झाला, तन्नू कुमारी नागर, विनीता राणावत, मुस्कान गुर्जर व ऋषिका हाड़ा ने भाग लिया।

इस कैम्प में 18 राज्यों के लगभग 350 स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर्स शामिल हुए। नेशनल इंटीग्रेशन शिविर का उद्घाटन त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक शाह एवं खेल मंत्री टिंकू राय द्वारा किया गया। शिविर में राजस्थान दल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कैम्प में सभी राज्यों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में राजस्थान राज्य की प्रदर्शनी को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए राजस्थान दल को त्रिपुरा के राज्यपाल महामहिम इंद्रेनेना रेड्डी नाल्लू, त्रिपुरा सरकार के खेल व युवा मामलात मंत्री टिंकू राय तथा भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के मुख्य आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल (सेवानिवृत्त आईएएस) द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राजस्थान दल के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के स्काउट रवि कुमार डांगड़ व रेंजर तन्नू कुमारी नागर को राजस्थानी वेशभूषा का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

नेशनल इंटीग्रेशन कैम्प में भाग लेने वाले स्काउट्स ने भारत के विभिन्न राज्यों की भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक स्थिति एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ–साथ वहां की बोली, भाषा, रहन–सहन, खानपान व वेशभूषा के बारे में विस्तार से जाना और अनुभव साझा किया। इससे विविधता में एकता तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम को मूर्त रूप मिला।

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम जिला करौली के स्काउट्स ने पहली बार किसी राष्ट्रीय स्तर के इंटीग्रेशन कैम्प में भाग लिया, जिसमें उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। शिविर संचालक श्री आनलेन्द्र (सहायक निदेशक, भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली) थे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में भूटान स्काउट संगठन की राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त टेंजिन छोडेनली तथा भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक (स्काउट्स, प्रोग्राम व प्रशिक्षण) अमर बी. क्षेत्री उपस्थित रहे।

हमारा अगरतला स्टेशन पर त्रिपुरा स्काउट गाइड एसोसिएशन के सदस्यों ने तिलक, पुष्पगुच्छ, कमल का फूल एवं पानी की बोतल भेंट कर हमारे दल का भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात प्रशासन द्वारा उपलब्ध बसों से हम शहीद भगत सिंह यूथ हॉस्टल पहुँचे। पंजीकरण उपरांत हमें आई–कार्ड दिए गए और कमरा नं. 301 आवंटित किया गया। सामान रखने व स्नान उपरांत हमने भोजन किया और विश्राम किया।

9 सितंबर की सुबह अल्पाहार के बाद ध्वजारोहण के साथ नेशनल इंटीग्रेशन कैम्प का शुभारंभ हुआ। पहले दिन सभी को कैम्प की विस्तृत जानकारी दी गई। दोपहर बाद पुरभाषा रंगमंच पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. माणिक शाह व खेल मंत्री टिंकू राय ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इसके बाद कैम्प फायर गीत, देशभक्ति गीत व नृत्यों की प्रस्तुतियाँ हुईं।

शिविर के अगले दिनों में स्टेट एक्सपोजिशन, मैरीटन इन इंडिया, फूड प्लाजा, स्टेट एग्जिबिशन जैसी गतिविधियों में राजस्थान दल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। फूड प्लाजा में राजस्थान टीम ने दाल–बाटी–चूरमा एवं गट्टे की सब्जी सहित 24 प्रकार के व्यंजन तैयार किए, जिन्हें खूब सराहा गया।

13 सितम्बर को क्लोजिंग सेरेमनी में प्रमाण पत्र एवं उपस्थिति पत्र प्रदान किए गए। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशासन की बसों से अगरतला स्टेशन छोड़ा गया। राजस्थान का दल शाम 7 बजे वापसी यात्रा पर रवाना हुआ और सुखद अनुभवों के साथ अपने–अपने घर लौटा।

नेशनल लेवल एडल्ट ट्रेकिंग प्रोग्राम

एल.आर. शर्मा
सी.ओ.स्काउट, जयपुर

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में नेशनल लेवल एडल्ट ट्रेकिंग प्रोग्राम (फिट इंडिया) का आयोजन जम्मू–कश्मीर राज्य भारत स्काउट गाइड, जिला संघ रियासी (कटरा) में दिनांक 27 से 31 अगस्त 2025 तक किया गया।

इस कार्यक्रम के लिए लगभग 150 प्रतिभागियों का पंजीकरण हुआ था, लेकिन खराब मौसम के कारण केवल 42 प्रतिभागी (राजस्थान, तमिलनाडु, दक्षिण–पूर्व रेलवे, दक्षिण–मध्य रेलवे और महाराष्ट्र से) ही इसमें भाग ले पाए। राष्ट्रीय मुख्यालय से प्रतिनियुक्त 11 सदस्यीय स्टाफ टीम का नेतृत्व सहायक निदेशक श्री आलेंद्र शर्मा ने किया।

26 व 27 अगस्त

26 अगस्त को भारी वर्षा और भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गया। जो प्रतिभागी रेल या बस से यात्रा कर रहे थे, उन्हें वहीं रोक दिया गया। केवल वे प्रतिभागी, जो 26 व 27 अगस्त को जम्मू पहुँच चुके थे, निजी टैक्सी से कटरा स्थित त्रिकूटा भवन तक पहुँच सके।

27 अगस्त को सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण व आवास व्यवस्था की गई। दोपहर में भोजन के बाद शिविर का शुभारंभ किया गया। श्री आलेंद्र शर्मा ने सभी का स्वागत कर उन्हें समूहों में विभाजित किया, ताकि वे एक–दूसरे की संस्कृति, खानपान, वेशभूषा और परंपराओं को समझ सकें।

28 अगस्त

सुबह व्यायाम और नाश्ते के बाद सभी प्रतिभागियों ने त्रिकूटा भवन से माई देवी स्थल तक ट्रैकिंग की। कठिन मार्ग और नालों को पार करते हुए सभी वहाँ पहुँचे, दर्शन किए और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया।

शाम को कैंपफायर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री अश्वनी कठोर, निदेशक माता वैष्णो किड्स शिव संस्थान रहे। कार्यक्रम में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए और प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे ट्रैकिंग कार्यक्रम रोवर्स व रेंजर्स के जीवन में नई प्रेरणा और योजनाएँ देते हैं।

29 अगस्त

प्रातः 6.30 बजे सभी प्रतिभागी खेल दिवस पर एकत्रित हुए और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा ली। इसके बाद 15 किलोमीटर दूर स्थित माता के दर्शन हेतु बसों से यात्रा की गई, फिर 2 किलोमीटर पैदल ट्रैकिंग कर दोपहर तक मंदिर पहुँचे।

दर्शन के बाद प्रतिभागियों ने स्थानीय लोगों के जीवन को समझा।

संध्या को स्काउट गाइड संगठन के 33 वर्ष पूर्ण होने पर समूहवार चर्चा हुई और एक भव्य कैंपफायर का आयोजन किया गया।

30 अगस्त

प्रतिभागियों ने वैष्णो देवी के प्रवेश द्वार तक पदयात्रा की और गंगा नदी के उद्गम स्थल तक पहुँचकर नमन किया। भूस्खलन के कारण मुख्य मंदिर का प्रवेश मार्ग बंद था, इसलिए प्रतिभागियों ने माता नौ देवी मंदिर में दर्शन किए। वापसी में जीतो बाबा और शाली माता बुआ के स्थल पर भी दर्शन किए।

स्थानीय बाजार का भ्रमण और खरीदारी करने के बाद रात में पुनः विशाल कैंपफायर का आयोजन किया गया।

31 अगस्त

अंतिम दिन सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। परमपिता परमेश्वर को शिविर की सफलता के लिए आभार प्रकट किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और शिविर का समापन हुआ।

यह ट्रैकिंग कार्यक्रम सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

जय स्काउटिंग!

जयपुर जिला वार्षिक अधिवेशन

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर का चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन सनशाइन रिजॉर्ट कोटपूतली में बड़े उत्साह और अनुशासनपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अधिवेशन की अध्यक्षता जिला प्रधान मुकेश गोयल ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक चौमूं रामलाल शर्मा रहे। इस अवसर पर पूर्व स्टेट कमिश्नर रघुवीर सिंह शेखावत, राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, जिला सचिव गिरिराज पारीक, जिला कोषाध्यक्ष प्रेमचंद शर्मा, उपप्रधान राधेश्याम, गिरधारी लाल शर्मा और अभय सिंह शेखावत, सहा.राज्य संगठन आयुक्त दामोदर प्रसाद शर्मा व श्रीमती नीता शर्मा सहित अनेक अतिथि मौजूद रहे।

अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिला प्रधान मुकेश गोयल ने कहा कि "स्काउट और गाइड संगठन अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की पाठशाला है। हमारा संकल्प है कि जयपुर जिले के प्रत्येक विद्यालय तक स्काउटिंग की पहुंच हो। जब हर बच्चा सेवा और कर्तव्यनिष्ठा से जुड़ेगा तो समाज और राष्ट्र स्वतः प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। मैं सभी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह करता हूं कि बच्चों को इस मार्ग पर निरंतर प्रेरित करें।"

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक चौमूं रामलाल शर्मा ने कहा कि "आज शिक्षा के साथ संस्कार और सेवा की भावना का समावेश अत्यंत आवश्यक है। स्काउटिंग बच्चों को जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सरोकारों के प्रति सजग बनाती है। जयपुर जिले के स्काउट्स और गाइड्स सेवा कार्यों में लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।"

अधिवेशन को सफल बनाने में सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) दामोदर प्रसाद शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सी.ओ. स्काउट शरद शर्मा और सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा का विशेष योगदान रहा। स्थानीय संघ जालसू ने पूरे समर्पण और कड़ी मेहनत से अधिवेशन को सफलता पूर्वक संपन्न करवाया। कार्यक्रम का संचालन जालसू स्थानीय संघ के सचिव रघुनंदन और सी.ओ. स्काउट जयपुर शरद कुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में वर्ष 2024–25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्काउटर्स और गाइडर्स को मंच पर सम्मानित किया गया। उपलब्धियों और सेवाभाव की सराहना की गई। वहीं, स्काउटिंग के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का भी अभिनंदन किया गया।

सदन में उपस्थित सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, प्रधानाचार्य, लीडर ट्रेनर, सहा.लीडर ट्रेनर और स्काउटर गाइडर ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में राष्ट्रगान के साथ अधिवेशन का समापन हुआ। उपस्थित सभी गणमान्य और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे आगे भी बच्चों और युवाओं को स्काउटिंग के मार्ग पर निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

गतिविधि दर्पण

अजमेर मण्डल

❖ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बामणियावाला, नागौर में नो बैग डे के अवसर पर छात्रों के साथ स्काउट यूनिट द्वारा सतत विकास लक्ष्य पर आधारित सहशैक्षणिक गतिविधियां की गई । इस दौरान स्काउट छात्रों द्वारा विद्यालय में चित्रकला व पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया गया तथा पुष्प द्वारा विद्यालय प्रांगण को सजाया गया। स्काउट यूनिट लीडर भंवरलाल कटारिया ने अपनी जानकारी साझा करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ

द्वारा निर्धारित 17 लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है कि वे एसडीजी के निर्धारित 17 लक्ष्यों की जानकारी रखते हुए उसे प्राप्त करने में अपनी सहभागिता निभाएं। वैश्विक नागरिकता के रूप में हम सब को अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापित करने में अपनी साझा जिम्मेदारीपूर्वक भूमिका निभानी चाहिए। स्थानीय स्तर पर विद्यालय की इस गतिविधि में स्कूली छात्रों के साथ इस मौके पर विद्यालय विकास समिति के अध्यक्ष उमाराम पचार, पन्नाराम डेलू, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि धर्माराम पचार, प्रधानाध्यापक सुखदेव मीणा, दिनेश कटारिया उपस्थित थे।

❖ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बामणियावाला, नागौर में स्काउट यूनिट लीडर भंवरलाल कटारिया के निर्देशन में बच्चों ने विद्यालय के प्रांगण व वाटिका की साफ सफाई करके पुष्पों की सहायता से 'हमारा विद्यालय–हमारा स्वाभिमान' लोगो बनाया। स्काउट व अन्य विद्यार्थियों ने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित, हरित तथा प्रेरणास्प्रद बनाए रखने तथा विद्यालय के संपदा, संसाधन व समय को राष्ट्र धन मानते हुए उसका संरक्षण और विवेक पूर्वक उपयोग करने की प्रतिज्ञा ली। विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाने के संकल्प के साथ इस दौरान स्कूल छात्रों ने मैसेंजर ऑफ पीस का सिम्बल बनाकर शांति का संदेश दिया।

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला डीग एवं भरतपुर का वार्षिक अधिवेशन श्री हिन्दी पुस्तकालय, डीग में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि डीग विधायक डा. शैलेश सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय होकर जन जागरण का कार्य करना चाहिए और उन्होंने डीग स्काउट गाइड मुख्यालय के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। समारोह में जिला उपाध्यक्ष हरीचरण शर्मा, तारा सिंह सिनसिनवार, समाज कल्याण अधिकारी कुलदीप सिंह, जिला

कमिश्नर बलवीर सिंह, अनीता बाई राघव, सहा. स्टेट कमिश्नर आलोक शर्मा, प्रदीप शर्मा, नवरत्न लाल, मुकुट सिंह ने स्काउट गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। अधिवेशन में सहायक राज्य संगठन आयुक्त गिरिराज प्रसाद गर्ग ने सत्र 2024–25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा ने आय–व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जबकि सी.ओ. स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना ने सत्र 2025–26 की वार्षिक योजना और जिला सचिव राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने बजट पेश किया। सभी को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को पुरस्कार, हिमालय वुड बैज और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संचालन कल्पना शर्मा, देवेन्द्र मीना और यादराम ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला परिषद, करौली का तृतीय वार्षिक अधिवेशन उपाध्यक्ष इंदु देवी जाटव की अध्यक्षता एवं जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय–माध्यमिक शिक्षा) इंद्रेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सी.ओ.स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष इंदु

देवी जाटव ने कहा कि स्काउट–गाइड गतिविधियां बच्चों में संस्कारों का संचार करती हैं, इसलिए अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ना चाहिए। मुख्य अतिथि इंद्रेश तिवारी ने विद्यालयों में चलाए गए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की सराहना करते हुए पौधों की देखभाल पर जोर दिया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त भरतपुर ने राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर की आवश्यकता पर बल दिया। अधिवेशन में ओम प्रकाश शर्मा ने बजट प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। कार्यक्रम में कमिश्नर बेसिक कोर्स एवं हिमालय वुड बैज प्राप्त प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीमा जादौन व कमलराम मीणा सहित विभिन्न अतिथियों ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मुरारी लाल धोबी, सचिव स्थानीय संघ सपोटरा दिगंबर शर्मा, नादौती प्रकाश मीणा, श्री महावीर जी किशन दास, टोडाभीम गिरिराज सिंह, संयुक्त सचिव प्रियंका शर्मा, हेमा मीणा, गाइडर प्रतिनिधि विमलेश शर्मा, अनुराधा शर्मा, प्रिया गुप्ता, पूनम शर्मा, शिखा माहौर, लालीबाई मीणा, स्काउट मास्टर प्रतिनिधि रणजीत सिंह, चौथमल मीणा, हंसराज मीणा, युवा प्रतिनिधि लवकुश मंगल एवं बड़ी मात्रा में स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन रोवर रेंजर उपस्थित थे।

बीकानेर मण्डल

- बीकानेर में ओजोन दिवस पर भारत स्काउट व गाइड के स्काउट–गाइड ने पोस्टर प्रतियोगिता व जागरूकता रैली आयोजित की। ओजोन दिवस के अवसर पर स्काउट एवं गाइड की ओर से पर्यावरण संरक्षण विषयक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें स्काउट गाइड बालक बालिकाओं ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही गाँव में जागरूकता रैली निकालकर ओजोन परत के संरक्षण एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, आबूपर्वत पर आयोजित पांच दिवसीय प्रेसिडेंट अवॉर्ड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन रोवर्स रेंजर्स को प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न कौशलों से अवगत कराया गया। इसमें सीपीआर, टू–हैंड सेट, थ्री–हैंड सीट, फोर–हैंड सीट, विभिन्न प्रकार की पट्टियां, झोल, रोगी एवं घायल को ले जाने के कैरी मेथड, स्ट्रेचर ड्रिल तथा विभिन्न प्रकार की स्ट्रेचर बनाने की जानकारी प्रदान की गई। शिविर संचालक एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त (अजमेर संभाग) विनोद जोशी ने कहा कि घायल व्यक्ति

का जीवन बचाना सबसे बड़ा धर्म है। इसलिए रोवर्स रेंजर्स को प्राथमिक चिकित्सा की विशेष ट्रेनिंग देकर समाज में जरूरतमंदों की मदद करने के लिए तैयार किया जा रहा है। सी.ओ. स्काउट झुंझुनू महेश कालावत ने बताया कि ट्रेनर विक्की कुमार और विजय कुमार ने विभिन्न प्रकार की पट्टियों का प्रशिक्षण दिया। सहायक लीडर ट्रेनर श्रीगंगानगर सावित्री एवं सी.ओ. गाइड धौलपुर सीमा रिजवी ने कैरी मेथड सिखाए, जबकि सी.ओ. स्काउट आबूपर्वत जितेंद्र भाटी ने स्ट्रेचर ड्रिल और स्ट्रेचर निर्माण का अभ्यास कराया। इस अवसर पर रेंजर लीडर लक्ष्मी चौधरी एवं रोवर लीडर राकेश कीर सहित बड़ी संख्या में रोवर्स–रेंजर्स उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में संचालित सात दिवसीय स्काउटर–गाइडर प्रशिक्षण शिविर का स्टेट कमिश्नर एवं पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर. पी. सिंह ने 2 सितम्बर को आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण गतिविधियों का गहन अवलोकन करते हुए यहां की सुविधाओं और कार्यालय व्यवस्थाओं की सराहना की तथा पूरे प्रदेश में इसी तरह उच्च स्तर का कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सिंह ने कहा कि झुंझुनू में स्काउट–गाइड संगठन सामाजिक क्षेत्र और सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने स्काउट–गाइड्स को "मिनी आर्मी" बताते हुए उनके चरित्र निर्माण एवं संस्कार शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि आर.पी. सिंह का स्वागत छात्रा अध्यापिकाओं ने तिलक व गार्ड ऑफ ऑनर से किया। इस अवसर पर

ध्वजारोहण भी उनके द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य अनीता चौधरी, गाइड कैप्टन रेवा शोनक, वरिष्ठ स्काउट मास्टर रामदेव सिंह गढ़वाल सहित विभिन्न महाविद्यालयों की छात्रा अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम संचालन डिंपल व मनीषा ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के निर्देशानुसार स्थानीय संघ, उदयपुरवाटी एवं गुढ़ा गौड़जी का द्वितीय व तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर 9 से 13 सितंबर तक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पचलंगी में सम्पन्न हुआ। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर स्व. आनंद शर्मा की स्मृति में उनके पुत्र एडवोकेट अंकुर शर्मा, विनोद शर्मा एवं अशोक शर्मा के सौजन्य से आयोजित किया गया। इन भामाशाहों ने 50 विद्यालयों के 300 से अधिक स्काउट गाइड्स के लिए भोजन, अल्पाहार और पारितोषिक की व्यवस्था की। एडवोकेट अंकुर शर्मा व परिवार ने प्रशिक्षण देने वाले सभी शिक्षकों का शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं पदक पहनाकर अभिनंदन किया। शिविर संचालक एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा ने बताया कि शिविर में समय–समय पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, सहायक जिला कमिश्नर तथा सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने आकस्मिक विजिट कर व्यवस्थाओं की सराहना की और भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया। शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, चिन्ह व सेल्यूट, ध्वज शिष्टाचार, मैपिंग, अनुमान लगाना, प्राथमिक चिकित्सा और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर संचालन में सहायक लीडर ट्रेनर शिव प्रसाद वर्मा, संरक्षक भंवर सिंह शेखावत, सतपाल गोठवाल, अजय काजला, झाबरमल, रामफूल मीणा,

उर्मिला, पूजा, मोनिका, शंकर सिंह तथा विद्यालय की प्रधानाचार्य स्नेहलता वर्मा का विशेष सहयोग रहा। अंतिम दिन सर्वधर्म प्रार्थना सभा, ध्वज अवतरण और राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय बीएसटीसी स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन विशाल कैंप फायर कार्यक्रम के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपभोक्ता प्रतितोष आयोग झुंझुनू के अध्यक्ष मनोज मील मुख्य अतिथि तथा उपखंड अधिकारी कौशल्या बिश्नोई अध्यक्ष रहीं। विशिष्ट अतिथि रेलवे वाणिज्यिक अधिकारी ओमप्रकाश आर्य व स्थानीय संघ प्रधान मुरली मनोहर चौपदार थे। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि छात्रा अध्यापिकाओं ने राजस्थानी गीतों व नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनसे भारतीय संस्कृति साकार होती

दिखाई दी। मुख्य अतिथि मनोज मील ने कहा कि स्काउट–गाइड संगठन संस्कृति संरक्षण के साथ समाज में सुधारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों की जानकारी भी दी। उपखंड अधिकारी कौशल्या बिश्नोई ने छात्राओं से उच्च शिक्षा व सेवाओं में आगे बढ़ने का आह्वान किया। जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा ने कहा कि झुंझुनू जिले की स्काउट–गाइड गतिविधियाँ पूरे प्रदेश में मिसाल हैं। समापन अवसर पर यादराम आर्य, रामानंद आजाद, मान महेंद्र सिंह भाटी, डॉ. अनीता चौधरी सहित अनेक अतिथि व छात्राएँ मौजूद रहीं।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जयपुर मंडल की संभाग स्तरीय ऑर्गेनाइजर ऑनलाइन मीटिंग 4 सितंबर 2025 को दोपहर 3. 15 से 5.10 बजे तक आयोजित हुई। मीटिंग में सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) दामोदर प्रसाद शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा, सी.ओ. स्काउट सीकर बसंत कुमार लाटा, सी.ओ. गाइड जयपुर श्रीमती इन्दू तंवर, सी.ओ. स्काउट जयपुर शरद शर्मा, सी.ओ. गाइड जयपुर श्रीमती ऋतु शर्मा, सी.ओ. गाइड अलवर श्रीमती विजयलक्ष्मी, सी.ओ. स्काउट अलवर राजेंद्र प्रसाद मीणा, सी.ओ. स्काउट दौसा प्रदीप सिंह तथा सी.ओ. गाइड दौसा सुश्री निरमा मीणा

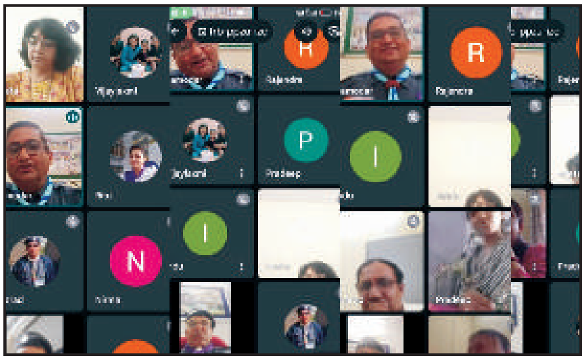

ने भाग लिया। बैठक के दौरान मासिक उपस्थिति, कार्यालय सुव्यवस्था, मूवमेंट रजिस्टर, प्रस्तावित कार्यक्रम, शिविर संबंधी जानकारी, लेखा संधारण, ऑडिट, जिला परिषद प्रतिवेदन, कार्यकारिणी की मिनिट्स, भौतिक सत्यापन, कोटामनी, स्टीकर राशि, बेसिक कोर्स, राज्य राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी लखनऊ पंजीकरण सहित अनेक बिंदुओं पर चर्चा हुई। अंत में सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

❖ 16 सितंबर 2025 को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर की ओर से ओजोन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री दामोदर शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा, सी.ओ. गाइड श्रीमती इंदु तंवर, सचिव स्थानीय संघ एवं स्काउट गाइड द्वारा कार्यक्रम में सहभागिता की गई। सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट

एवं गाइड द्वारा संभागियों को ओजोन संबंधी वार्ता एवं पर्यावरण संबंधी विचार व्यक्त किए गए। स्काउट गाइड द्वारा भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभागियों द्वारा बढ़–चढ़कर भाग लिया गया। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट शरद शर्मा ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा में 12 सितम्बर को जयपुर मण्डल की सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने दौसा जिले में स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय वार्ड नंबर 11 रामकुंड, आदर्श विद्याश्रम सीनियर सैकेंडरी स्कूल और जिला मुख्यालय की

विजिट की। इस दौरान विद्यालय में संचालित स्काउटिंग गाइडिंग की जानकारी ली तथा बालक–बालिकाओं को इसमें ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया। गाइड्स को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। विजिट के दौरान सी.ओ.स्काउट प्रदीप सिंह, सी.ओ.गाइड निरमा मीणा, स्काउटर हीरालाल, प्रधानाचार्य मिथलेश मीना, स्काउटर वाजिद मुहम्मद, गाइडर श्रीमती गायत्री शर्मा आदि मौजूद रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम इको क्लब द्वारा स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दौलतपुरा, जिला सीकर के परिसर में जिला स्तरीय विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। स्काउट्स के द्वारा निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, दौलतपुरा गांव में चेतना रैली आयोजित कर ओजोन परत को बचाने की शपथ ली गई। इस अवसर पर पुरुषोत्तम सोनी ने ओजोन परत पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ओजोन परत को बचाने पर ही जीवन बचाना संभव है। बसंत कुमार लाटा सी.

ओ. स्काउट सीकर ने ओजोन परत पर अपने विचार व्यक्त कर कहा कि 'प्रदूषण हटाओ ओजोन को बचाओ', 'हम सब ने ठाना है ओजोन परत को बचाना है'। इस अवसर पर विभिन्न आकृतियों में मानव श्रृंखला बनाकर ओजोन परत को बचाने का संकल्प लिया। गतिविधियों में 20 विद्यालयों को इको क्लब सदस्यों स्काउट गाइड रोवर रेंजर और जिला सचिव एवं जिला संगठन आयुक्त बसंत कुमार लाटा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त पुरूषोत्तम सोनी, स्थानीय संघ सचिव किशन लाल सियाक, सहायक सचिव अलिताब धोबी, प्रेमसिंह नेहरा, रोशन

ढेबानिया, बनवारी लाल, आदिल खान, मोहन लाल सुखाड़िया, प्रेम पावड़िया, गरिमा सियाग, रचना पूनिया, ज्योति आदि पदाधिकारियों ने भाग लिया। ओजोन परत को बचाने संबंधी विभिन्न स्थानों पर जिले भर में अनेक कार्यक्रम आयोजित कर ओजोन परत को बचाने की अलख जगाने का कार्य किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा (सीकर) के ट्रुप आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा के स्काउट्स ने मोहनलाल मील स्मृति सेवा संस्थान की ओर से आयोजित मैराथन दौड़ और रक्तदान शिविर में सराहनीय सेवाएं दीं। स्काउट मास्टर अलिताब धोबी ने बताया कि कोलीड़ा ग्राम में मोहनलाल मील स्मृति सेवा संस्थान की ओर से प्रातः 7 बजे मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के स्काउट्स ने विभिन्न प्वाइंटों पर मैराथन धावकों

को रास्ता बताने, लाइनिंग करने, टोकन बांटने, मैराथन के कैप वितरण करने आदि कार्यों में सहयोग प्रदान किया। उसके बाद मैराथन कोलीड़ा खेल स्टेडियम में पहुंची जहां पर मैराथन धावकों को फल वितरित करना, पानी पिलाना आदि के साथ फुटबॉल एकेडमी में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को फल वितरित करना, रजिस्ट्रेशन करना, प्रमाण पत्र तैयार करना आदि सेवाएं दी। इस अवसर पर स्काउट दीपक मील, रौनक योगी, विष्णु नायक, आशीष, निकित कुमार, विनित, हर्षित वर्मा, प्रतीक आदि स्काउट्स ने सेवाएं दीं।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में स्काउट गाइड, रोवर रेंजर का राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर 21 से 25 अगस्त तक जिला मुख्यालय प्रशिक्षण केन्द्र गुप्तेश्वर रोड़, दौसा पर आयोजित किया गया। शिविर के

अंतिम दिवस पर सभी प्रशिक्षणार्थियों ने सर्वधर्म प्रार्थना सभा की। शिविर के अंतिम दिवस जिला परिवहन अधिकारी झाबर मल ने सभी संभागियों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों, सांकेतिक चिन्ह एवं उनके उपयोग तथा हार्ट अटेक के दौरान सीपीआर देने की विधि बताई। इस दौरान ट्रेनिंग काउंसलर कन्हैयालाल रलावता, सुरेश चंद्र शर्मा, कमल प्रकाश शर्मा एवं सचिव ओमप्रकाश शर्मा ने आगंतुकों को स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह ने सभी उपस्थित आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा, जिला सीकर द्वारा टोली नायक, द्वितीय तृतीय सोपान स्काउट गाइड प्रशिक्षण एवं निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर 15 से 19 सितंबर तक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, दौलतपुरा (कटराथल) में आयोजित किया गया। शिविर के तृतीय दिवस का ध्वजारोहण सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं समाजसेविका कुलकिरण गढ़वाल ने किया। उन्होंने कहा कि स्काउट–गाइड संगठन समाज के सर्वांगीण विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाता है। सहायक जिला कमिश्नर (गाइड) सुमन चौधरी ने संगठन को जीवन जीने की कला सिखाने वाला बताया। शिविर संचालक किशनलाल सियाक ने संगठन

को विश्व का सबसे बड़ा युवा संगठन बताते हुए बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित करने पर जोर दिया। शिविर में प्रतिभागियों को आंदोलन का इतिहास, नियम–प्रतिज्ञा, गांठें, प्राथमिक उपचार, दिशा ज्ञान, कंपास, टेंट लगाने व शिविर कला जैसी उपयोगी जानकारियाँ दी गईं। शाम को कैंप फायर कार्यक्रम में लोकनृत्य, अभिनय व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर शारदा (प्रधानाध्यापिका), सुषमा (अध्यापिका), अलिताब धोबी, डॉ. गरिमा सियाग, रोशन डेवानिया, बनवारीलाल बेरी सहित अनेक अतिथि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर सी.ओ. स्काउट बसन्त कुमार लाटा एवं स्थानीय संघ, रींगस के सचिव विष्णु कुमार जोशी ने बताया कि रींगस के भेरुजी के वार्षिक मेले में स्काउटस ने मेला सेवा शिविर में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की। भीड़ नियंत्रण, जल सेवा, खोया पाया आदि में सेवाएं प्रदान की गई। स्काउट मास्टर कृष्ण कुमार यादव ने बताया

कि स्थानीय संघ के स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर की ओर से यह सेवा हर वर्ष दी जाती है। मेला कमेटी ने स्काउट्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। रेंजर लीडर डॉ. ज्योति राजावत एवं रोवर लीडर संदीप कुमार गवारिया के निर्देशन में इस वर्ष सेवा शिविर आयोजित हुआ।

जोधपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही का राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं राज्य संगठन आयुक्त स्काउट पूरण सिंह शेखावत ने अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर किए जा रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन कर निर्माण कार्यों की प्रशंसा की। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय

सिरोही द्वारा अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम. आर. वर्मा, सी.ओ. माउंटआबू जितेंद्र भाटी, मंछाराम मंडिया, देवेंद्र कुमार गर्ग, मोहित एवं अन्य रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, गुंदोज एवं पाली का वार्षिक अधिवेशन जिला मुख्यालय, बजरंग बाड़ी, पाली में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीणा व सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव प्रदीप शर्मा व कैलाश कुमार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आय–व्यय, उपलब्धियों व आगामी लक्ष्यों की जानकारी दी। अधिवेशन की अध्यक्षता मदनलाल (गुंदोज) व मनोज लखेरा (पाली) द्वारा की गई। गुंदोज से केदारनाथ राष्ट्रीय ट्रेकिंग में भाग लेने वाले 6 सदस्यों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। अधिवेशन में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त रोवर विशाल व प्रमोद पटेल तथा राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त रेंजर–रोवर काव्या

दवे, रेखा, विक्रम, कैलाश व भीमाराम को सम्मानित किया गया। साथ ही आलोक शर्मा को लीडर ट्रेनर योग्यता पर अभिनंदन किया गया। अपने उद्बोधन में सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीणा ने जंबूरी (लखनऊ–2025, पोलैंड–2027) में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, लीडर ट्रेनर व अनेक स्काउट–गाइड कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 10 से 14 सितंबर तक आयोजित राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया कि 5 दिवसीय शिविर में जिले के 22 विद्यालयों से 139 गाइड ने सहभागिता कर राज्य पुरस्कार पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंतिम दिवस गाइड्स ने शांति एवं सद्भावना के लिए सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की। ध्वजावतरण और अंतिम वार्ता के साथ शिविर का समापन हुआ। सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीणा ने बताया कि प्रशिक्षण में गाइड्स को बी.पी. सिक्स व्यायाम, ध्वजारोहण, निरीक्षण, गैजेट निर्माण, गांठें,

गणवेश धारण, दक्षता पदक, सेवा लॉगबुक, प्राथमिक सहायता, झंडा गीत, राष्ट्रगान, राष्ट्रध्वज व अन्य ध्वजों की जानकारी, आपदा प्रबंधन, विपरीत परिस्थितियों में जीवन जीने की कला, रात्रिकालीन कैंप पहरेदारी, सुरक्षा, कैंप फायर और सांस्कृतिक आदान–प्रदान जैसे विषयों का अभ्यास कराया गया। सहायक लीडर ट्रेनर उर्मिला यति, नसीम बानो, अलका टाक, कमलेशी मीणा, खुशबू, विश्वा और सुमित्रा ने योगदान दिया। वहीं रोवर विशाल, भीमाराम, करण, हेमराज, हिमांशु, कैलाश, घीसाराम एवं रेंजर काव्या ने शिविर में सेवाएं प्रदान की।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पर 15 से 21 सितम्बर तक कब एवं स्काउट यूनिट लीडर बेसिक प्रशिक्षण शिविर और 18 से 22 सितम्बर तक राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इन शिविरों में क्रमशः 97 यूनिट लीडर व 116 स्काउट ने सहभागिता की। पाली विधायक भीमराज

भाटी ने शिविर का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र के विकास हेतु विधायक कोष से 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। शिविर में प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, ध्वज शिष्टाचार व यूनिट संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। संचालन पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी व आलोक शर्मा सहित प्रशिक्षकों ने किया। इस अवसर पर भामाशाह मदन जागरवाल व अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल किशनगंज में अंतर्राष्ट्रीय ओजोन संरक्षण दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा और जिला आयुक्त (वयस्क संसाधन) अमजद यूसुफी रहे। चित्तौड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि ओजोन परत पृथ्वी पर जीवन के लिए सुरक्षा कवच है और इसका संरक्षण हर

नागरिक का दायित्व है। उन्होंने लखनऊ में आयोजित होने वाली 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में विद्यालय के दल को मार्गदर्शन भी दिया और बताया कि विद्यालय का स्काउट दल व्यायाम प्रदर्शन प्रतियोगिता में राजस्थान का नेतृत्व करेगा। यूसुफी ने कहा कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जैसे प्रयासों से ओजोन परत की क्षति पर नियंत्रण संभव हुआ है, किंतु जनभागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानाचार्य महावीर मीणा ने विद्यालय के इको क्लब की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन छोटू लाल सुमन ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा और गाइड सुनीता मीणा के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेश कुमार सेन व कमलेश मीणा ने किया, जबकि राजेश मीणा मुख्य अतिथि रहे। कमलेश मीणा व महेश सेन के नेतृत्व में शांति रैली निकाली गई, जिसमें युवाओं ने नगर में शांति का संदेश दिया। कार्यक्रम में सुनीता

मीणा ने नियम–प्रतिज्ञा के माध्यम से समाज सेवा हेतु प्रेरित किया। नितेश मीणा, जय मीणा व आशु ने भी विचार रखे। इस अवसर पर सीताराम गोयल, अमजद यूसुफी व राजेंद्र कुमार शर्मा ने शुभकामनाएं दीं।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में 21 से 25 अगस्त तक मंडल प्रशिक्षण केंद्र उदयनिवास, लकड़वास में राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर का निर्देशन सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने किया, जबकि मुख्य अतिथि उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा रहे। समापन समारोह में विधायक मीणा ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों को कठिन परिस्थितियों में जीवन जीने, साहस और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की कला सिखाती है। उन्होंने अपने जीवन संघर्ष की कहानी भी साझा की। शिविर में 168 स्काउट और

रोवर ने प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में ध्वजारोहण, प्राथमिक चिकित्सा, सेवा कार्य, विपरीत परिस्थितियों में जीवन कौशल और नेतृत्व विकास शामिल थे। प्रधान शिविर संचालक सुरेन्द्र कुमार पाण्डे के साथ प्रशिक्षक के रूप में गणपत लाल मेनारिया, वक्तावर सिंह देवड़ा, श्याम किशोर उपाध्याय, राजवीर सिंह, सुशील सेवदा, हरी शंकर शर्मा, भगवतीलाल साहू, विशाल गुप्ता, दिव्यांश बृजवानी, शांतिलाल बरण्डा ने प्रशिक्षण और शिविर संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

❖ राजसमंद के भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय स्थित राजकीय आर.के. चिकित्सालय के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान कर स्काउट्स ने सेवाभाव को चरितार्थ किया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि रक्तदान महादान की भावना को साकार करते हुए राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मावा का गुड़ा (कुंभलगढ़) के वरिष्ठ स्काउटर व शिक्षक विक्रम सिंह शेखावत ने 25वीं बार रक्तदान

कर एक मिसाल कायम की। रक्तदान उपरांत स्थानीय संघ सचिव ने शेखावत का प्रसादी, उपरना, प्रभु द्वारकाधीश का बीड़ा और प्रशंसा–पत्र देकर सम्मान किया। इस विशेष उपलब्धि पर सी.ओ. स्काउट सुनील सोनी, स्काउटर रोशनलाल रेगर, सहायक सचिव निर्मला धोबी, संयुक्त सचिव उर्मिला पुरोहित, जिला अध्यक्ष मानसिंह बारहठ, उपाध्यक्ष कमलेश कुमावत, जवाहर जाट, संयुक्त सचिव मधुलता व्यास, स्काउटर नारायणलाल कलाल, देवगढ़ सचिव रामसिंह चौहान, रेलमगरा सचिव प्रेमसिंह राणावत, चारभुजा स्काउटर शेरसिंह सैनी सहित अनेक स्काउटर्स गाइडर्स ने शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

❖ 53वां उदय ओपन रोवर क्रू, भुवाणा, उदयपुर ने अपने रोवर लीडर श्री सुरेश कुमार प्रजापत के 53वें जन्मदिन के अवसर पर 48वां रक्तदान शिविर आयोजित किया। इस शिविर में कुल 55 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिससे रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में मानवता की भावना को मजबूत करने में मदद मिली। शिविर की पूरी व्यवस्थाएँ व्यापार मंडल तुला द्वारा सुनिश्चित की गईं। मुख्य अतिथि श्री श्याम सिंह चारण (SHO गोगुंदा) उपस्थित रहे, जबकि अधिवक्ता श्री

कमलेश कुमार शर्मा और डॉ. के.डी. महात्मा (MBBS) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। शिविर की अध्यक्षता श्री हेमेंद्र नागर ने की। रक्त संग्रहण और चिकित्सकीय प्रक्रिया का दायित्व सरल ब्लड बैंक, उदयपुर की टीम ने संभाला। रोवर लीडर श्री सुरेश कुमार प्रजापत के नेतृत्व और सेवाभाव ने शिविर की सफलता सुनिश्चित की और युवाओं को समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया। यह आयोजन युवाओं और समाज के अन्य वर्गों में समाज सेवा और मानवता की भावना जागृत करने में सफल रहा।

राष्ट्रपति अवार्ड

भारत स्काउट व गाइड, मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में नेशनल यूथ कॉम्पलेक्स, गदपुरी (हरियाणा) में 29 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक राष्ट्रपति स्काउट गाइड रोवर रेंजर अवार्ड रैली का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय रैली में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एसोसिएशन के राष्ट्रपति अवार्ड उत्तीर्ण स्काउट गाइड रोवर व रेंजर ने भी इस रैली में सक्रिय भागीदारी की। रैली के दौरान विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा अवार्ड की पूर्व तैयारी से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दिनांक 31 अगस्त 2025 को भारत सरकार एवं भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में आयोजित भव्य समारोह, भारत मंडपम, नई दिल्ली में राजस्थान दल की ओर से स्काउट महेंद्र सिंह गुर्जर ग्राम डाबीच गुर्जरान (हाल निवासी–सांगानेर, जयपुर) एवं गाइड उपदेश सिद्ध (बीकानेर) ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति स्काउट गाइड अवार्ड प्राप्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि

मेरी स्काउटिंग यात्रा पुर्तगाल वर्ल्ड स्काउट मूट 2025

शुभम शर्मा
रोवर, जयपुर

स्काउटिंग मेरे जीवन का अहम हिस्सा है। बचपन से यूनिफॉर्म पहनकर नए कौशल सीखना, टीमवर्क करना और अलग–अलग राज्यों व देशों के लोगों से मिलना मुझे हमेशा रोमांचित करता रहा है। जब मुझे पता चला कि 16वां वर्ल्ड स्काउट मूट 2025 पुर्तगाल में होने वाला है, तो मेरे मन में तुरंत सपना जागा, क्यों न इस अवसर का हिस्सा बनकर अपनी स्काउटिंग यात्रा को एक नया मुकाम दिया जाए?

यह सिर्फ एक कैंप नहीं था, बल्कि दुनिया भर के 18 से 25 वर्ष के स्काउट्स का महा–संगम था। सबसे बड़ी बात यह कि इस बार भारत 30 साल बाद इस मूट में भाग ले रहा था। इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने का गर्व मेरे लिए किसी भी पुरस्कार से कम नहीं था।

मैं जानता था कि भारत और विदेशों में स्काउटिंग के अनुभव अलग–अलग होते हैं। कार्यक्रम की शैली, टीमवर्क, इंटरैक्शन और एडवेंचर सब कुछ नई सीख देता है। मुझे यह समझना था कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में स्काउटिंग किस तरह होती है और लोग स्काउट स्पिरिट को कैसे जीते हैं।

तैयारी और चयन

इस यात्रा से पहले सबसे महत्वपूर्ण चरण था तैयारी। यह सिर्फ विदेश यात्रा नहीं थी, बल्कि भारत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी थी। आवश्यक दस्तावेजों और प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद हमारी तैयारियाँ ऑनलाइन मीटिंग्स से शुरू हुईं। इन मीटिंग्स में हमें वर्ल्ड स्काउट मूट का इतिहास, उद्देश्य, कार्यक्रम की रूपरेखा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर आचरण और टीमवर्क का महत्व सिखाया गया। भारत से रवाना होने से पहले दिल्ली में हमारी अंतिम फिजिकल मीटिंग हुई। यहाँ हमें आखिरी निर्देश दिए गए और यह एहसास कराया गया कि हम 30 साल बाद भारत के प्रतिनिधि बनकर इस मूट में जा रहे हैं।

यात्रा का आरंभ

21 जुलाई 2025 की सुबह मेरे जीवन का नया अध्याय शुरू हुआ। एयरपोर्ट पर उत्साह और घबराहट दोनों थे। जैसे ही विमान ने उड़ान भरी, नीचे फैला भारत छोटा होता गया और मेरे सपनों का सफर आसमान की ऊँचाइयों में आगे बढ़ने लगा।

दुबई स्टॉपओवर में पहली बार सभी भारतीय डेलीगेट्स एक साथ मिले। उस पल से यात्रा का उत्साह और भी बढ़ गया।

पुर्तगाल में पहला दिन

लिस्बन पहुँचते ही ठंडी हवा और समुद्र की महक ने स्वागत किया। रंग–बिरंगी इमारतें और अटलांटिक महासागर का नजारा अविस्मरणीय था। कैंपसाइट पहुँचकर टेंट अलॉटमेंट हुआ और शाम को वेलकम सेरेमनी में हजारों स्काउट्स का जोश देखकर लगा कि यह सिर्फ कैंप नहीं, बल्कि जीवन का एक यादगार अनुभव है।

दोस्ती और संस्कृति

मूट के दौरान मैंने पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, इटली, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों के दोस्तों से गहरी दोस्ती की। अलग–अलग भाषाएँ, खानपान और परंपराएँ होते हुए भी हम कुछ ही दिनों में परिवार जैसे हो गए।

कल्चरल नाइट ने तो मानो जादू कर दिया। अलग–अलग देशों के डांस, संगीत और भारतीय प्रस्तुति पर विदेशी दोस्तों का थिरकना इस बात का प्रतीक था कि संस्कृतियाँ भले अलग हों, लेकिन दिल की ताल एक ही है।

सीख और अनुभव

इस मूट ने मुझे सिखाया कि टीमवर्क और सकारात्मक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। पहाड़ों के बीच बसे गाँवों का अपनापन और पानी में की गई एडवेंचर गतिविधियाँ हमेशा याद रहेंगी।

सबसे बड़ा सबक यह मिला कि दुनिया भले ही भाषाओं और संस्कृतियों में बंटी हो, लेकिन दिल और जज्बात हमें जोड़ते हैं।

भविष्य की योजना

भारत लौटने के बाद मेरा संकल्प है कि जिस तरह मैंने पुर्तगाल में वर्ल्ड मूट का अनुभव किया, उसी ऊर्जा और भव्यता के साथ भारत में भी एक राष्ट्रीय स्तर का स्काउट मूट आयोजित हो। ऐसा आयोजन जो सिर्फ कार्यक्रम न होकर हर प्रतिभागी के लिए जीवनभर की यादगार यात्रा बने।

धन्यवाद

इस अविस्मरणीय अनुभव को संभव बनाने के लिए मैं अपने लोकल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के सभी लीडर्स का आभारी हूँ। विशेष रूप से अपने मार्गदर्शकों और साथियों का धन्यवाद, जिनके सहयोग के बिना यह सपना पूरा नहीं हो सकता था।

और सबसे खास; मेरे परिवार का आभार, जिनके आशीर्वाद और प्रेम ने मुझे इस मुकाम तक पहुँचाया।

यह यात्रा सिर्फ स्काउटिंग का अनुभव नहीं, बल्कि जीवन का सबक और गर्व की कहानी है।

भारत की पर्यावरणीय नीति और संदर्भित कानून

भारत में पर्यावरण संरक्षण का इतिहास सदियों पुराना है। हड़प्पा संस्कृति पर्यावरण से ओत–प्रोत थी, तो वैदिक संस्कृति पर्यावरण–संरक्षण हेतु पर्याय बनी रही। भारतीय जनमानस ने समूची प्रकृति ही क्या, सभी प्राकृतिक शक्तियों को देवता स्वरूप माना। ऊर्जा के स्त्रोत सुर्य को देवता माना तथा उसको 'सूर्य देवो भव' कहकर पुकारा। भारतीय संस्कृति में जल को भी देवता माना गया है। नदियों को जीवन दायिनी कहा गया है, इसीलिए प्राचीन संस्कृतियां नदियों के किनारे उपजीं और पनपी। भारतीय संस्कृति में केला, पीपल, तुलसी, बरगद, आम आदि पेड़ पौधों की पूजा की जाती रही है। ईशोपनिषद से अशोक महान तक पर्यावरण प्रेम सभी जगह देखा गया। दिल्ली सल्तनत ने पर्यावरण शुद्ध रखने हेतु कई प्रयत्न किए। मध्यकालीन एवं मुगलकालीन भारत में भी पर्यावरण प्रेम बना रहा।

अंग्रेजों ने भारत में अपने आर्थिक लाभ के लिए पर्यावरण को नष्ट करने का कार्य प्रारंभ किया। विनाशकारी दोहन नीति के कारण पारिस्थितिकीय असंतुलन भारतीय पर्यावरण में अंग्रेजी काल में ही दिखने लगा था। स्वतंत्र भारत के लोगों में पश्चिमी प्रभाव, औद्योगीकरण तथा जनसंख्या विस्फोट के परिणामस्वरूप तृष्णा जाग गई जिसने देश में विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों को जन्म दिया।

स्वतंत्र भारतीय संविधान सीधे तौर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों से नहीं जुड़ा था। सन् 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन ने भारत सरकार का ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर खिंचा। सरकार ने 1976 में संविधान में संशोधन कर दो महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद 48 ए तथा 51 ए (जी) जोड़े। अनुच्छेद 48 ए राज्य सरकार को निर्देश देता है कि वह 'पर्यावरण की सुरक्षा और उसमें सुधार सुनिश्चित करे तथा देश के वनों तथा वन्य जीवन की रक्षा करे'। अनुच्छेद 51 ए (जी) नागरिकों को कर्तव्य प्रदान करता है कि वे 'प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे तथा उसका संवर्धन करे और सभी जीवधारियों के प्रति दयालु रहे'। स्वतंत्रता के बाद बढ़ते औद्योगिकरण, शहरीकरण तथा जनसंख्या वृद्धि से पर्यावरण की गुणवत्ता में निरंतर कमी आती गई। पर्यावरण की गुणवत्ता को बनाए रखने व प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने समय–समय पर अनेक कानून व नियम बनाए।

ये हैं पर्यावरणीय कानूनों व नियमों के नाम–

जल प्रदूषण संबंधी–कानून

- रीवर बोर्ड्स एक्ट, 1956
- जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- जल उपकर (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1977
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

भूमि प्रदूषण संबंधी कानून

- फैक्ट्रीज एक्ट, 1948
- इण्डस्ट्रीज (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 1951
- इंसेक्टीसाइड्स एक्ट, 1968
- अर्बन लैण्ड (सीलिंग एण्ड रेग्युलेशन) एक्ट, 1976

वायु प्रदूषण संबंधी कानून

- फैक्ट्रीज एक्ट, 1948
- इनफ्लेमेबल्स सबस्टान्सेज एक्ट, 1952
- वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

वन तथा वन्य जीव संबंधी कानून

- फोरेस्ट्स कंजरवेशन एक्ट, 1960
- वाइल्ड लाईफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972
- फोरेस्ट (कनजरवेशन) एक्ट, 1980
- वाइल्ड लाईफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1995
- जैव–विविधता अधिनियम, 2002

पर्यटन स्थल

बागोर की हवेली

मेवाड़ शैली की विरासत

राजस्थान के उदयपुर में ढाई सौ साल पुरानी बागोर की हवेली पर्यटकों को खूब लुभाती है। इस हवेली को 1751 से 1781 के बीच मेवाड शासन के तत्कालीन प्रधानमंत्री अमर चंद्र बडवा की देखरेख में बनवाया गया था। इस हवेली में ऐसे अनेक कक्ष अलग–अलग रंगों में रंगे हैं जिनका उपयोग मौसम के अनुकूल हुआ करता था। इन कक्षों में सुसज्जित वस्त्रों का इस्तेमाल भी उसी के अनुरूप होता था। इस हवेली में राजा–रजवाड़े के जमाने के शतरंज, चौपड़, सांप–सीढ़ी और गंजीफे आज भी मौजूद हैं, जिसका उपयोग राज परिवार की महिलाएं खेल, व्यायाम तथा मनोरंजन के लिए किया करती थीं। इस हवेली में स्वर्ण तथा अन्य बेशकीमती अलंकारों को रखने के लिए अलग तहखाना बना हुआ था। ऐतिहासिक बागोर की हवेली में वास्तुकला एवं भितिचित्रों को इस तरह से संजोया गया है कि यहां आने वाले देशी–विदेशी पर्यटक इसे देखना नहीं भूलते।

पिछौला झील के किनारे बनी इस हवेली में 138 कक्ष, बरामदे एवं झरोखे हैं। इस हवेली के द्वारों पर कांच एवं प्राकृतिक रंगों से चित्रों का संकलन आज भी मनोहारी है। इस हवेली में स्नानघर की व्यवस्था थी जहां मिट्टी, पीतल, तांबा और कांस्य की कुंडियों में दूध, चंदन और मिश्री का पानी रखा होता था और राज परिवार के लोग पीढ़ी पर बैठकर स्नान किया करते थे।

मेवाड़ के इतिहास के अनुसार महाराणा शक्ति सिंह ने बागोर की इस हवेली में निवास के दैरान ही त्रिपोलिया पर 1878 में महल का निर्माण कराया था। 1880 में महाराणा सज्जन सिंह ने बागोर की हवेली का वास्तविक स्वामी अपने पिता महाराणा शक्ति सिंह को घोषित कर दिया। बाद के वर्षों में उत्तराधिकारी के अभाव में यह उपेक्षित रही। इतिहास के अनुसार वर्ष 1930 से 1955 के बीच महाराणा भूपाल सिंह ने इस हवेली का नए सिरे से जीर्णोद्धार कराकर इसे राज्य की तीसरी श्रेणी का विश्राम गृह घोषित कर दिया। मेवाड़ रियासत के राजस्थान में विलय के बाद यह हवेली लोक निर्माण विभाग के अधिकार में चली गई।

1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का मुख्यालय इस हवेली में बनाया। इसके बाद इस ऐतिहासिक हवेली की साफ सफाई एवं नए सिरे से रंग रोगन किया गया। हवेली के जनाना महल में दो सौ वर्ष पुराने मेवाड़ शैली के भित्ति चित्र मिले हैं जो यहां के राजा रजवाडे के रहन–सहन एवं ठाठ बाट को प्रदर्शित करते हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक उनके पूर्वज कहा करते थे कि बागोर की हवेली पर्याप्त जल क्षेत्र एवं सुरक्षा की दृष्टि से बनाई गई थी इसलिए पिछौला झील के किनारे यह हवेली बनाई गई थी। इस हवेली में राज परिवार को छोड़कर किसी को प्रवेश करने की इजाजत नहीं थी। वैसे इस हवेली के प्रति पिछले एक दशक में देशी–विदेशी पर्यटकों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है।

–साभार पंजाब केसरी

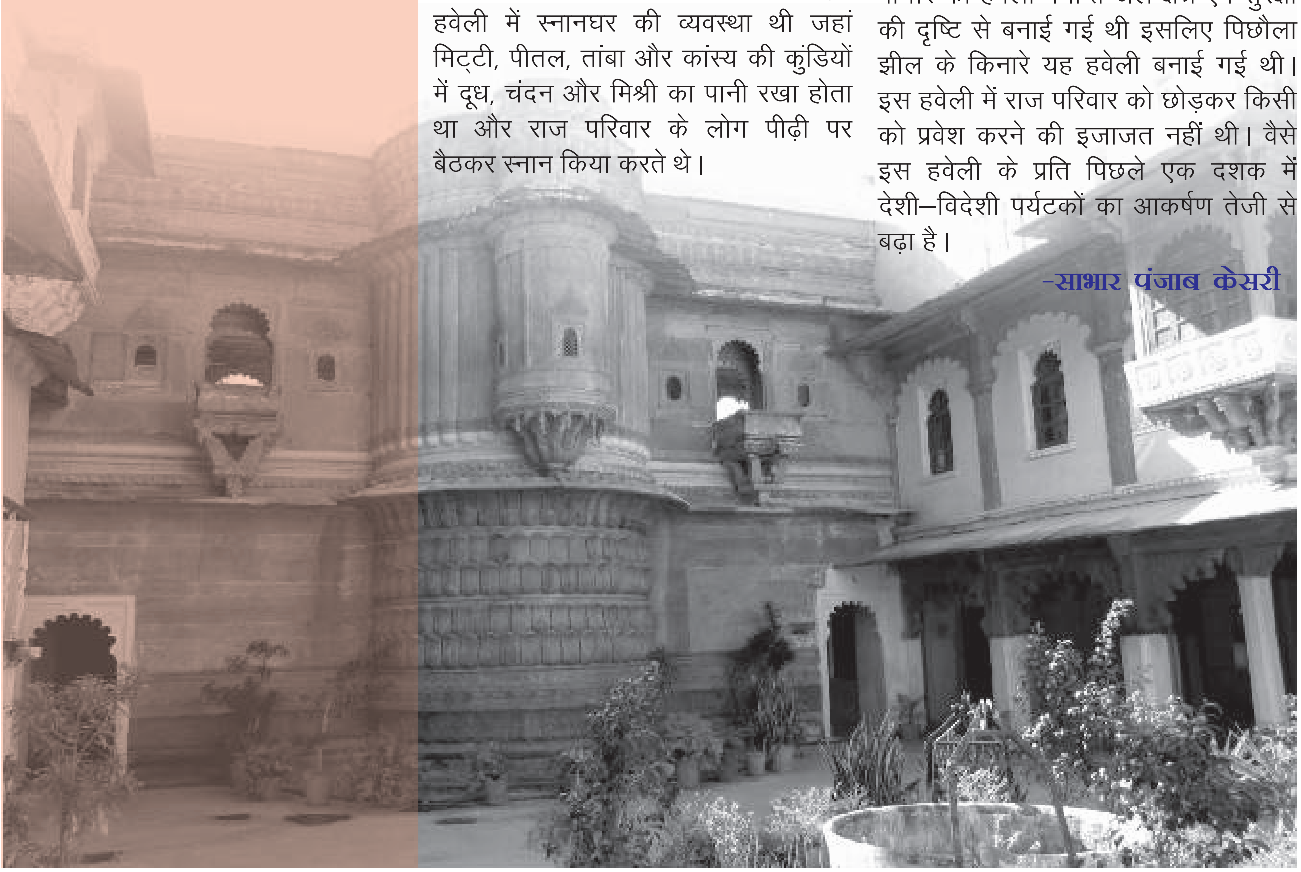

हमारा स्वास्थ्य

कारगर घरेलु नुस्खे

- अजवायन का चूर्ण सूंघने से सिरदर्द व नजला दूर होता है और मस्तिष्क के सारे कीड़े भी नष्ट होते हैं।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- दूध हजम न होने पर या दूध पीने से गैस बनने पर दूध के बाद थोड़ा सा अजवायन का चूर्ण फांक लें।
- पेट में दर्द हो और भूख नहीं लगती हो तो अजवायन, काली मिर्च, सेंधा नमक पीसकर गर्म पानी के साथ लें।
- आधा चम्मच पिसी हुई सौंठ को फांककर ऊपर से गुनगुना दूध पीने से जुकाम दूर होता है। इसे सुबह और रात को सोते समय लें।
- खाना खाते ही शौच लगना या दिन में कई बार शौच जाना पड़ता हो और संग्रहणी हो तो बेल का 30 ग्राम गूदा, 5 ग्राम सौंठ और 10 ग्राम गुड मिलाकर लें। इसी तरह दिन में दो तीन बार यह मिश्रण लगातार 3–4 दिन तक लेने से लाभ होता है।
- पीलिया होने पर सफेद प्याज का रस, गुड़ और हल्दी को एक साथ घोटकर नाक से सूंघें।
- बवासीर होने पर पकी नीम की निंबौली पुराने गुड़ के साथ दिन में तीन बार खाएं।
- दांतों में कीड़ा लग जाने पर दालचीनी के तेल में रूई का फाहा बनाकर भिगोकर दांतों पर लगायें।
- बार–बार पेशाब आने पर आंवले का रस पानी में मिलाकर सुबह–शाम तीन दिन तक पीएं।
- बाल झड़ने पर एक लीटर पानी में आधा चम्मच सिरका मिले पानी से सिर धोएं।
- पेट दर्द होने पर भुनी हुई सौंफ खाने से लाभ होता है।
- मुंह में छाले हो जाने पर तुलसी के पत्तों का रस पानी में मिलाकर कुल्ले करें।
- कब्ज होने पर गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीएं।
- खूनी दस्त लगे हों तो पिसे हुए धनिए में मिश्री डालकर खाने से लाभ होता है।
- चोट लगने पर यदि खून बंद न हो तो पिसा हुआ धनिया घाव पर लगाएं।
- शरीर के किसी भी अंग पर सूजन आ गई हो तो धनिए को सिरके में पीसकर लेप करें।
- जल जाने पर तत्काल शहद का लेप करने से जलन बंद हो जाती है।
- दही में शहद मिलाकर बच्चों को चटाने से उनके दांत बड़ी आसानी से बिना दर्द के निकल आते हैं।
- मासिक धर्म में गड़बड़ी होने पर अथवा मासिक धर्म कम या ज्यादा होने पर अजवायन का तीन ग्राम चूर्ण दिन में दो बार गर्म दूध के साथ लें। मासिक धर्म नियमित हो जाएगा।
- हड्डी टूट जाने पर नियमित रूप से शहद का सेवन करने से हड्डी जल्दी जुड़ती है।

हमारे महापुरूष

भारत रत्न : सरदार वल्लभ भाई पटेल

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

सरदार वल्लभ भाई पटेल 1875–1917:

562 रियासतों का एकीकरण करने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में उनके ननिहाल में हुआ। वे खेड़ा जिले के कारमसद में रहने वाले झावेर भाई पटेल की चौथी संतान थे। उनकी माता का नाम लाडबा पटेल था। उन्होंने प्राइमरी शिक्षा कारमसद में ही प्राप्त की। बचपन से ही उनके परिवार ने उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया।

1893 में 16 साल की आयु में ही उनका विवाह झावेरबा के साथ कर दिया गया था। उन्होंने अपने विवाह को अपनी पढ़ाई के रास्ते में नहीं आने दिया। 1897 में 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की। 1900 में जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। गोधरा में वकालत की प्रेक्टिस शुरू कर दी। जहाँ इन्होने प्लेग की महामारी से पीड़ित कोर्ट ऑफिशियल की बहुत सेवा की।

1902 में इन्होंने वकालत काम बोरसद सिफ्ट कर लिया, क्रिमिनल लॉयर रूप नाम कमाया। अपनी वकालत के दौरान उन्होंने कई बार ऐसे केस लड़े जिसे दूसरे निरस और हारा हुए मानते थे। उनकी प्रभावशाली वकालत का ही कमाल था कि उनकी प्रसिद्धी दिनों–दिन बढ़ती चली गई। गम्भीर और शालीन पटेल अपने उच्चस्तरीय तौर–तरीकों लिए भी जाने जाते थे। यंही उनके पुत्री मणिबेन का 1904 व पुत्र दह्या का 1905 में जन्म हुआ। बेरिस्टर कोर्स करने के लिए पैसों की बचत कर ली थी परन्तु बड़े भाई विठ्ठलभाई की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने खुद न जाकर 1905 में उन्हें इग्लैंड भेज दिया।

सरदार पटेल अपना कर्तव्य पूरी ईमानदारी, समर्पण व हिम्मत से साथ पूरा करते थे। उनके इस गुण का दर्शन हमें सन् 1909 की इस घटना से होते है।

वे कोर्ट में केस लड़ रहे थे, उस समय उन्हें अपनी पत्नी की मृत्यु (11 जनवरी 1909) का तार मिला। पढ़कर उन्होंने इस प्रकार पत्र को अपनी जेब में रख लिया जैसे कुछ हुआ ही नहीं। दो घंटे तक बहस कर उन्होंने वह केस जीत लिया। बहस पूर्ण हो जाने के बाद न्यायाधीश व अन्य लोगों को जब यह खबर मिली कि सरदार पटेल की पत्नी का निधन हुआ गया। तब उन्होंने सरदार से इस बारे में पूछा तो सरदार ने कहा कि "उस समय मैं अपना फर्ज निभा रहा था, जिसका शुल्क मेरे मुवक्किल ने न्याय के लिए मुझे दिया था। मैं उसके साथ अन्याय कैसे कर सकता था।" ऐसी कर्तव्यपरायणता और शेर जैसे कलेजे की मिसाल इतिहास में विरले ही मिलती है। इससे बड़ा चरित्र और क्या हो सकता है?

जुलाई, 1910 में वल्लभ भाई पटेल स्वयं भी इंगलैंड जाकर मिडल टेम्पल (Middle Temple) में लॉ की पढ़ाई के लिए दाखिला ले लिया। वहाँ उन्होंने आधी समयावधि में ही कोर्स पूरा कर लिया। वहां फर्स्ट डिविजन के साथ फर्स्ट रेंक हासिल की जिसके लिए उन्हें 50 पौंड इनाम भी मिला। 1912 में एग्जाम निपटते ही दूसरे दिन भारत के लिए रवाना हो गए। 1912 में ही इनके बड़े भ्राता विठ्ठलभाई, बोम्बे काउंसिल के मेम्बर चुने गए।

जनवरी 1913 में मिडल टेम्पल (Middle Temple Inn) के बेरिस्टर (Bar-at-Law) बन गए। इसके बावजूद वे अगले ही महीने 13 फरवरी को स्वदेश लौट गए अहमदाबाद में प्रेक्टिस शुरू कर दी और जल्द ही देश के अग्रिम पंक्ति के क्रिमिनल लॉयर बन गए, मार्च 1914 में इनके पिता झावेरभाई का देहांत हो गया। 1915 में गुजरात सभा के मेम्बर बने। 1917 में अहमदाबाद म्युनिसिपलिटी के काउंसलर चुने गए तथा सिनेटरी व पब्लिक वर्क्स कमिटी के चेयरमेन भी बने।

1917 – 1930 :

नवम्बर 1917 में पहली बार गाँधी जी से सीधे संपर्क में आये। 1918 में अहमदाबाद जिले में अकाल राहत का बहुत व्यवस्थित ढंग से प्रबंधन किया अहमदाबाद Municipal Board से गुजरात सभा को अच्छी धनराशी मंजूर करवाई जिससे इंफ्लुएंजा जैसी महामारी से निपटने के लिए एक अस्थाई हॉस्पिटल स्थापित किया। 1918 में ही सरकार द्वारा अकाल प्रभावित खेड़ा जिले में वसूले जा रहे लैंड रेवेन्यु के विरुद्ध "No-Tax" आन्दोलन का सफल नेतृत्व कर वसूली को माफ करवाया। गुजरात सभा को 1919 में गुजरात सूबे की कांग्रेस कमिटी में परिवर्तित कर दिया जिसके सचिव पटेल तथा अध्यक्ष महात्मा गाँधी बने।

1920 के असहयोग आन्दोलन में सरदार पटेल ने स्वदेशी खादी, धोती, कुर्ता और चप्पल अपनाये तथा विदेशी कपड़ों की होली जलाई। Ahmedabad Municipal चुनाव में सभी ओपन सीटों पर जीत दर्ज की। तिलक स्वराज फण्ड के लिए 10 लाख रुपये एकत्रित किये। केवल गुजरात में

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ३ लाख सदस्य बनाये। गांधी से मिलकर गुजरात विद्यापीठ स्थापित करने का निर्णय किया।

1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 36 वें अहमदाबाद अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष बने। वे गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पहले अध्यक्ष बने।

1922 में सरकार ने बोरसद तालुका की समस्त जनता पर हदीया (Haidiya) नाम से एक दंडात्मक कर थोप दिया जिसके विरोध में पटेल 1922—23 में बोरसद में सत्याग्रह कर पिंड छुड़वाया। इसके बाद गांधी वल्लबभाई को "King of Borsad" कहते थे। इसी दौरान 1922 में नागपुर में राष्ट्रीय झंडा आदोलन का सफल नेतृत्व किया। 1922 में ही गुजरात विद्यापीठ के लिए रंगून से करीब 10 लाख रुपये एकत्रित करके लाये।

चुनाव जीतकर 1923 में अहमदाबाद नगरपालिका के निर्वाचित अध्यक्ष बने। 1927 में गुजरात तब तक की सबसे भयानक बाढ़ आई जिससे निपटने के लिए सरकार से एक करोड़ रुपये मंजूर करवाए। 1928 में अहमदाबाद नगर पालिका के अध्यक्ष पद से स्तीफा देकर मोरबी में हुए कठियावाड़ सम्मलेन की अध्यक्षता की।

1928 में खेड़ा जिले के किसानों के बारडोली में No-Tax सत्याग्रह अभियान का सफल नेतृत्व किया जहाँ किसानों ने इनको सरदार की उपाधि दी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में भी इस उपाधि सार्वजानिक मान्यता दे दी। 1929 में महाराष्ट्र राजनैतिक सम्मलेन की अध्यक्षता की तथा पूरे महाराष्ट्र में घूमे।

1930 — 1946 :

गांधीजी के नमक सत्याग्रह के पक्ष में प्रचार करने के कारण इनको 7 मार्च, 1930 को गिरफ्तार कर साबरमती जेल में डाल दिया। जहाँ इन्होंने भूख हड़ताल कर, इनके स्टेटस के अनुरूप दी जा रही । class diet की जगह C class diet देने की प्रार्थना की। जिसे जेल प्रशासन को स्वीकार करना पड़ा। 26 जून, 1930 को रिहा कर दिया। 31 जुलाई, 1930 फिर गिरफ्तार कर तीन महीने के लिए कारावास की सजा दे दी गयी। 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। वायसराय लार्ड इरविन के साथ शिमला वार्ता में गांधीजी के साथ रहे

सविनय अवज्ञा आन्दोलन के दौरान ही फिर गिरफ्तार कर जनवरी 1932 जुलाई 1934 तक यरवदा जेल में गांधीजी के साथ कैद रखा। इसी दौरान उनके बड़े भाई विट्ठलभाई की जिनेवा के पास एक क्लिनिक में मृत्यु हो गयी। मनिबेन व कस्तुबा गाँधी को भी अल्प समय के लिए इसी जेल में रखा गया। नाक की गंभीर बीमारी कारण इन्हें जुलाई 1934 में रिहा करना पड़ा।

1935 से 1942 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संसदीय बोर्ड के चेयरमैन रहे। 1937—39 आठ सूबों में कांग्रेसी मंत्रिमंडलों के पर्यवेक्षक रहे। चुनावों में उम्मीदवारों के चयन का कार्यभार भी इन्हीं पर था।

ग्रेट ब्रिटेन पर भारत की स्वतंत्रता लिए दबाव हेतु गांधीजी के सत्याग्रह में भाग लेने पर 18 नवम्बर, 1940 को Defense of India Act तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आंत की गंभीर बीमारी के कारण अगस्त 1941 में रिहा करना पड़ा।

एक वर्ष बाद ही भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लेने पर अगस्त 1942 में अहमदनगर फोर्ट में नेहरु, आजाद व कई बड़े नेताओं के साथ इन्हें भी जेल में डाल दिया। बाद में 1945 के शुरुवात में यरवदा जेल शिफ्ट कर दिया गया। जून 1945 में शिमला वार्ता में भाग लेने हेतु जेल से रिहा करना पड़ा।

1946—1950 :

2 सितम्बर, 1946 सरदार पटेल अंतरिम सरकार में गृह, सूचना एवं प्रसारण मंत्री बने। (जिसके मुखिया नेहरु वाइसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे।) 4 अप्रैल, 1947 को वल्लभ विद्यानगर में विट्ठलभाई महाविद्यालय का उद्घाटन किया। भारत सरकार ने 25 जून, 1947 को रियासतों के लिए सरदार पटेल अधीन एक नया विभाग Department of (Princely) States बनाने का निर्णय किया। सरदार 15 अगस्त, 1947 को स्वतन्त्र भारत के पहले उप प्रधानमंत्री तथा गृह, स्टेट्स, सूचना एवं प्रसारण मंत्री बने।

13 नवम्बर, 1947 को सोमनाथ पतन का दौरा किया तथा सोमनाथ महादेव मंदिर का जीर्णोद्धार कराने का निश्चय किया।

नागपुर, बनारस तथा अलाहाबाद विश्वविद्यालय ने क्रमशः 3, 25 व 27 नवम्बर 1948 को सरदार पटेल को Doctor of Laws डिग्री प्रदान की।

15 फरवरी, 1948 भावनागर राज्य संघ की स्थापना की। 7 अप्रैल, 1948 को राजस्थान राज्य संघ की स्थापना की। 22 अप्रैल, 1948 को मध्य भारत संघ की स्थापना का एग्रीमेंट किया। 13—16 सितम्बर, 1948 हैदराबाद पुलिस एक्शन कर सेटल किया। 26 फरवरी, 1949 को उस्मानिया विश्वविद्यालय ने सरदार पटेल को Doctor of Laws डिग्री प्रदान की। 7 अक्टूबर से 15 नवम्बर, 1949 तक नेहरुजी की U.S., UK and Canada की विदेश यात्रा के दौरान सफलता पूर्वक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली।

15 दिसम्बर, 1950 को शेर ए हिंदुस्तान सरदार पटेल का निधन बॉम्बे में हो गया, बॉम्बे में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया।

भारत रत्न

सरदार पटेल के निधन के 41 वर्ष बाद 1991 में भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। यह अवार्ड उनके पौत्र विपिनभाई पटेल द्वारा स्वीकार किया गया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

31 अक्टूबर, 2013 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 137वीं जयंती के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का शिलान्यास किया। इसका नाम 'एकता की मूर्ति' (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' (93 मीटर) से भी बड़ी है। इस प्रतिमा को एक छोटे चट्टानी द्वीप पर स्थापित किया गया, जो केवाड़िया में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'खिलाड़ी' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

खिलाड़ी
ATHLETE

खेल–कूद किसे पसंद नहीं होता। बचपन में जब कोई बच्चा खेलता कूदता है तब तो उसे इन खेलों का मूल्य अथवा महत्व भी पता नहीं होता। फिर भी वह खेलों के माध्यम से नई–नई बातें सीखता और विकसित होता है।

खेलों का तो हमारे स्वास्थ्य से भी गहरा नाता है। तभी तो इसे प्राचीन काल से जिन्दगी जीने का आधार माना जाता रहा है। पर खेल के महत्व और इनसे होने वाले लाभों को हम अकसर नजरअंदाज कर देते हैं। स्वास्थ्य से जुड़ी एक पुरानी कहावत है कि "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है"। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है तो, मन भी स्वस्थ नहीं हो सकता। जब मन रोगी होगा तो नाना प्रकार की व्याधायें जीवन भर संत्रस्त करती रहेंगी। अतः मन को स्वस्थ रखने हेतु शरीर का स्वस्थ होना जरुरी है और शरीर को स्वस्थ रखने हेतु खेल से बढ़कर अन्य कोई साधन लाभकरी नहीं हो सकता है।

खेलों के महत्व को देखते हुए ही स्काउटिंग में खेल व खिलाड़ी को विशेष महत्व दिया गया है और दक्षता पदक में इसे सम्मिलित किया है। 'खिलाड़ी दक्षता बैज' के लिए निम्नानुसार परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होगी –

1. ठीक ढंग से बैठना, खड़ा होना, चलना, दौड़ शुरू करने का सही प्रदर्शन करना।
2. उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने और घर से बाहर नियमित रूप से किये जाने वाले शारीरिक व्यायाम का प्रमाण प्रस्तुत करें।
3. निम्नलिखित आयु समुह में से अपनी आयु के अनुसार निश्चित जांचों में निर्देशित अंक प्राप्त करें। 12 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु–समुह के लिए दिए गए बिन्दुओं के आधार पर अपनी आयु के अनुसार किन्ही चार जांचों में निश्चित अंक प्राप्त करें।

आयु	12 वर्ष	13 वर्ष	14 वर्ष
अंक	26 अंक	30 अंक	36 अंक

		सामान्य स्तर 6 अंक	स्तर प्रथम स्तर 8 अंक	विशेष स्तर 10 अंक
(1)	100 मीटर की दौड़	16 सैकण्ड में	15 सैकण्ड में	14 सैकण्ड में
(2)	800 मीटर की दौड़	2 मिनट 46 सैकण्ड में	2 मिनट 43 सैकण्ड में	2 मिनट 40 सैकण्ड में
(3)	दौड़ते हुए ऊँची कूद	1.06 मीटर	1.13 मीटर	1.20 मीटर
(4)	दौड़ते हुए लम्बी कूद	3.80 मीटर	4.10 मीटर	4.40 मीटर
(5)	क्रिकेट गेंद फेंकना	35 मीटर	41.00 मीटर	46.00 मीटर
अथवा –	8.1 पौंड का गोला फेकना	6.10 मीटर	7.62 मीटर	8.53 मीटर

आयु	15 वर्ष	16 वर्ष	17 वर्ष
अंक	40 अंक	45 अंक	50 अंक

		सामान्य स्तर 8 अंक	स्तर प्रथम स्तर 10 अंक	विशेष स्तर 12 अंक
(1)	100 मीटर की दौड़	15 सैकण्ड में	14 सैकण्ड में	13 सैकण्ड में
(2)	800 मीटर की दौड़	3 मिनट 20 सैकण्ड में	3 मिनट 10 सैकण्ड में	2 मिनट 40 सैकण्ड में
(3)	दौड़ते हुए ऊँची कूद	104.14 से.मी.	121.92 से.मी.	137.16 से.मी.
(4)	दौड़ते हुए लम्बी कूद	3.66 मीटर	3.96 मीटर	4.47 मीटर
(5)	क्रिकेट गेंद फेंकना	38.10 मीटर	47.22 मीटर	50.96 मीटर
अथवा–	13 पौंड का गोला फेकना	6.10 मीटर	7.62 मीटर	8.53 मीटर
(6)	दण्ड व बैठक लगाना	15 दंड (86 सैकण्ड में)	30 दंड (70 सैकण्ड में)	50 दंड (120 सैकण्ड में)

(स्कवाट ट्रस्ट* 30 से.मे.) *पालथी मार कर बैठना तथा हाथों के सहारे बैठ–बैठ ही ऊपर उठना तथा नीचे आना*

कार्यालय, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांकः शिविरा/माध्य/खेलकूद/35105/स्काउट एण्ड गाइड/2025 **दिनांक :** यथा हस्ताक्षर

–:परिपत्र:–

भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 23 नवम्बर से 29 नवम्बर 2025 तक भारत स्काउट/गाइड की 19 वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड की डायमंड जुबली जम्बूरी डिफेन्स एक्सपो ग्राउण्ड, सैक्टर–15, वृन्दावन योजना, लखनऊ (उत्तरप्रदेश) में आयोजित की जा रही है। इस जम्बूरी में राजस्थान प्रदेश से लगभग 1600 स्काउट्स/गाइड्स/रोवर्स/रैंजर्स व स्काउटर/गाइडर (अध्यापक/अध्यापिका) भाग लेंगे। इन स्काउट्स/गाइड्स में शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास करते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय समुदाय के प्रति उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करने सम्बन्धी विभिन्न स्काउट्स/गाइड्स गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इस अवसर पर बालक/बालिकाओं को विश्व भ्रातृत्व, परस्पर प्रेम सहयोग, टोली भाव एवं राष्ट्रीय भावात्मक एकता के खुले पाठ पढने एवं अभ्यास के सँअवसर उपलब्ध करवाये जायेंगे।

इस सम्बन्ध में निम्नलिखित निर्देश प्रदान किये जाते हैं:–

1. जम्बूरी में सहभागिता हेतु अपने अधीनस्थ विद्यालयों में प्रति जिला तीन–तीन टोली स्काउट व दो–दो टोली गाइड का चयन कर एवं उनका ऑनलाईन पंजीकरण करवाकर एक प्रति सम्बन्धित जिला मुख्यालय के माध्यम से एवं एक प्रति सीधे स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर एवं इस कार्यालय को भिजवावे।
2. जम्बूरी के अवसर पर राजस्थान दल का एक तैयारी शिविर स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुरा, जयपुर में दिनांकः 18.11.2025 से 20.11.2025 तक आयोजित किया जायेगा। इस हेतु विद्यालय से जम्बूरी स्थल तक आने व जाने का रेल/बस किराया, भोजन शुल्क विद्यालय द्वारा वहन किया जायेगा।
3. जम्बूरी में भाग लेने वाले स्काउट्स/गाइड्स एवं स्काउटर्स/गाइडर्स को कर्तव्य पर मानते हुए इन अध्यापकों/अध्यापिकाओं/शिक्षा अधिकारियों को राज्य सरकार के आदेश क्रमांकः एफ12 (शिक्षा) ग्रुप 4/76 दिनांकः 28.08.76 के अनुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ता देय होगा।
4. जम्बूरी में सहभागिता करने के लिए 8 स्काउट (छात्र), 1 स्काउटर अध्यापक व 8 गाइड (छात्रा) व 1 गाइडर अध्यापिका को स्वीकृति प्रदान की जानी है।
5. जम्बूरी की यात्रा, भोजन, शैक्षिक भ्रमण एवं पोशाक इत्यादि पर निम्नानुसार 6750/–रुपए प्रति स्काउट/गाइड व्यय होने का अनुमान है:–

क्र.सं.	व्यय का विवरण	विद्यालय द्वारा	स्वयं प्रतिभागी द्वारा	योग
1.	रेल/बस किराया	रू. 2000/–	1500/–	रू. 3500/–
2.	जम्बूरी पंजीकरण	रू. 250/–	–	रू. 250/–
3.	भोजन व्यय	रू. 1000/–	रू. 1000/–	रू. 2000/–
4.	विशेष गणवेश	–	रू. 400/–	रू. 400/–
5	शैक्षिक भ्रमण	–	रू. 300/–	रू. 300/–
6..	शिविर कला व्यय	रू. 300/–	–	रू. 300/–
	योग	रू. 3550/–	रू. 3200/–	रू. 6750/–

नोटः स्काउटर/गाइडर पंजीकरण शुल्क 350/– प्रति संभागी होगा। जम्बरी विशेष रेल किराया कम/अधिक भी हो सकता हैं।

Signature valid
Digitally signed by Sita Ram Jat
Designation : Director
Date: 2025.09.13 15:51:24 IST
Reason: Approved

उपर्युक्तानुसार रू. 6750/— में से रू. 3550/— छात्र निधि कोष/विकास कोष/उपलब्ध कोष में से व्यय करने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रति स्काउट गाइड प्रदान की जाती है एवं शेष रू. 3200/— प्रति स्काउट/गाइड द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। जो स्काउट व गाइड एवं स्काउटर/गाइडर जम्बूरी सम्बन्धी श्रेष्ठ योग्यता रखते हैं किन्तु आर्थिक कठिनाई के कारण स्वयं द्वारा वहन की जाने वाली राशि देने में असमर्थ हैं, उनकी राशि संस्था प्रधान द्वारा भामाशाहों से सहयोग प्राप्त कर जमा करवायी जा सकती है।

अपने विद्यालयों के संस्था प्रधान दिनांक 28.08.2025 तक पंजीकरण राशि प्रति स्काउट एवं गाइड सम्भागी की दर से 08×6450 = 51600/— रूपये तथा स्काउटर/गाइडर 01x6550= कुल राशि 58150/—जिला मुख्यालय पर पंजीकरण फार्म के साथ जमा करवायें। जम्बूरी के क्रम में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर एवं संबंधित जिला मुख्यालय द्वारा प्रसारित सूचनाओं/निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करावें।

(सीताराम जाट)
आइ.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर एवं पदेन अति. राज्य परि. निदेशक (वरिष्ठ) समसा।

क्रमांक क्रमांकः शिविरा/माध्य/खेलकूद/35105/स्काउट एण्ड गाइड/2025 दिनांकः यथा हस्ताक्षर

प्रतिलिपिः— निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा, भाषा, पुस्तकालय एवं पंचायती राज (मा.शि.) विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2. स्टेट चीफ कमिश्नर, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर।
3. राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर।
4. सम्भागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त। 5. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त।
6. जिला शिक्षा अधिकारी(मु.), माध्यमिक शिक्षा, समस्त। 7. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त।
8. पी.ई.ई.ओ, समस्त। 9. प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (स्काउट/गाइड), स्थानीय संघ, समस्त।
10. सचिव, स्थानीय संघ, समस्त। 11. संस्था प्रधान समस्त। 12. रक्षित पत्रावली।

निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर एवं पदेन अति. राज्य
परि. निदेशक (वरिष्ठ) समसा।

Signature valid
Digitally signed by Sita Ram Jat
Designation : Director
Date: 2025.09.13 15:51:24 IST
Reason: Approved

CELEBRATIONS DAYS : OCTOBER-NOVEMBER- 2025

02 October	:	Gandhi & Shashtri Jayanti
05 October	:	International Teachers Day
08 October	:	Air Force Day
10 October	:	World Mental Health Day
15 October	:	World Unity Day
24 October	:	World Polio Day
31 October	:	National Unity Day
07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	Constitution Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि पञ्चांग

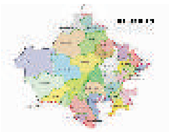

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्था. संघ स्तर	02.10.2025
षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) एवं कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	01 से 03.10.2025
प्रकृति अध्ययन शिविर	जिला स्तर पर	04 से 06.10.2025
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	06 से 09.10.2025
19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी हेतु मीटिंग	राज्य/मण्डल स्तर पर	15.10.2025 तक
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	11 से 14.10.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2025
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ/सभी स्तर	07.11.2025.
19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी सम्मेलन शिविर	जगतपुरा, जयपुर	18 से 21.11.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2025
कोलायत मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	कोलायत, बीकानेर	मेले के अनुसार
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर पर	22 से 28.11.2025
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2025 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्था. संघ स्तर पर	30.11.2025 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2025 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2025 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2025 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Environment Awareness cum Trekking Programme	06 - 10 October 2025	Alwar, Rajasthan
Jamboree On The Air (JOTA) And Jamboree On The Internet (JOTI)	18 - 19 October, 2025	
Grand Finale Diamond Jubilee Jamboree And 19th National Jamboree	23 - 29 November 2025	Lucknow, UttarPradesh

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र विथिका

जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंचासीन उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूल सिंह मीणा

झुंझुनू जिले के पूर्व पुलिस अधीक्षक, सेवानिवृत्ति अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं वर्तमान में स्टेट कमिश्नर (राजस्थान) श्री आर. पी. सिंह के स्काउट गाइड कार्यालय झुंझुनू के औचक निरीक्षण के दौरान गाइड्स गार्ड ऑफ ऑनर सलामी देते हुए

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत के स्काउट गाइड कार्यालय सिरोही की विजिट् के दौरान जिला मुख्यालय परिसर का अवलोकन कराते हुए सी.ओ. स्काउट सिरोही एम.आर. वर्मा

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य जिला मुख्यालय, टोंक विजिट् के दौरान वहां चल रहे राज्य पुरस्कार रेंजर व गाइड प्रशिक्षण शिविर की संभागी रेंजर्स से शिविर संबंधी जानकारी लेते हुए

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य राज्य प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा जयपुर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण करते हुए

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com